RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 153 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » शनिवार » 27-12-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 सिख गुरुओं का इतिहास भक्ति और वीरता का अनूठा संगम है : योगी
6 अरावली पहाड़ियों का मसला अब सुप्रीम कोर्ट में
7 कार्तिक आर्यन की 'तू मेरी मैं तेरा' पहले दिन दमदार कमाई

फर्स्ट टेक

टाइटन 'बीऑन' ब्रांड नाम से प्रयोगशाला में बने हीरे के कारोबार में उतरेगी

नई दिल्ली/भाषा। देश की अग्रणी आभूषण निर्माता कंपनी टाइटन ने शुक्रवार को 'बीऑन' ब्रांड नाम के तहत प्रयोगशाला में बने हीरे के कारोबार में प्रवेश की घोषणा की। कंपनी प्रयोगशाला में बने किफायती हीरे पर ध्यान केंद्रित करते हुए 29 दिसंबर को मुंबई में एक स्टोर खोलेगी। टाटा समूह द्वारा संचालित कंपनी ने शेयर बाजार को यह जानकारी दी। कंपनी ने कहा, ''टाइटन 29 दिसंबर 2025 को मुंबई में एक विशेष रिटेल स्टोर के साथ 'बीऑन – फ्रॉम द हाउस ऑफ टाइटन' ब्रांड पेश करेगी। इसका मकसद घड़ियों, इत्र, साड़ियों और हैंडबैग से आगे जीवन शैली श्रेणियों में महिलाओं की आभूषण संबंधी जरूरतों को पूरा करना है।'' टाइटन ने कहा कि 'बीऑन' ब्रांड प्रयोगशाला में बने हीरे के आभूषणों की एक चयनित श्रृंखला पेश करेगा और इस उभरती श्रेणी में शुरुआत करते हुए निकट भविष्य में मुंबई और दिल्ली में दो और स्टोर जोड़ने की योजना है। पिछले दो से तीन वर्षों में भारत में प्रयोगशाला में बने हीरे का बाजार तेजी से बढ़ा है।

जापान में चाकू हमले में कई लोग घायल

टोक्यो/एपी। मध्य जापान के एक कारखाने में शुक्रवार को चाकू से हमला किए जाने की घटना में कई लोग घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। क्योदो समाचार एजेंसी और अन्य मीडिया प्रतिष्ठानों ने बताया कि टोक्यो के पश्चिम में शिजुओका प्रांत के मिशिमा शहर स्थित रबड़ फैक्टरी में एक व्यक्ति ने चाकू से कई लोगों पर हमला किया। एजेंसी ने स्थानीय अग्निशमन विभाग के अधिकारियों के हवाले से बताया कि आठ लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। क्योदो के अनुसार, हमलावर को कारखाने में ही हिरासत में ले लिया गया। घायलों की हालत समेत अन्य कोई जानकारी तत्काल उपलब्ध नहीं है।

चीनः शिनजियांग में दुनिया की सबसे लंबी एक्सप्रेसवे सुरंग का उद्घाटन

बीजिंग/भाषा। चीन के शिनजियांग प्रांत में 22.13 किलोमीटर लंबी सुरंग को यातायात के लिए शुक्रवार को खोल दिया गया। चीन ने दावा किया कि ये 'दुनिया की सबसे लंबी सुरंग' है। सरकारी मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर-पश्चिमी चीन के शिनजियांग उइगुर स्वायत्त क्षेत्र में मध्य तियानशान पर्वतमाला से होकर गुजरने वाली इस तियानशान शेंगली सुरंग के कारण कई घंटों की खतरनाक पहाड़ी यात्रा अब लगभग 20 मिनट में पूरी होगी।

सूर्यास्त 27-12-2025	सूर्योदय 28-12-2025
6:01 बजे	6:40 बजे

BSE	NSE
85,041.45 (-367.25)	26,042.30 (-99.80)

सोना	चांदी
14,017 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	241,021 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

दोषी कौन ?

घोषित अयोग्य जन प्रतिनिधि यदि,
दोषी जनमत या दल सुजान।
आखिर कब होगा सदनों में,
सच्ची शुचिता का प्रावधान।
कानून खिलौना है सबका,
इसलिए खिलंदड़ सब बयान।
हरदम क्यों दिखता लुंजपुंज,
डेमोक्रेसी में संविधान।।

'हमारी सरकार जीवन सुगमता को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध'

■ आने वाले समय में और अधिक उत्साह के साथ जारी रहेगा सरकार का सुधार अभियान : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि सरकार 'जीवन सुगमता' को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है इसलिए उसका सुधार अभियान आने वाले समय में और अधिक उत्साह और दृढ़ता के साथ जारी रहेगा। प्रधानमंत्री ने केंद्र सरकार द्वारा अपनी विभिन्न सुधार पहलों पर किए गए कई पोस्ट के संदर्भ में यह टिप्पणी की।

मोदी ने कहा, ''हमारी सरकार जीवन सुगमता को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है और नीचे दिए गए लेख में हमने इस दिशा में किए गए कार्यों के उदाहरण दिए हैं। आने वाले समय में हमारी सुधार यात्रा और भी अधिक उत्साह के साथ जारी रहेगी।''

हैशटैग ''रिफॉर्म इन एक्शन और हैशटैग गुड गवर्नेंस'' के साथ केंद्र सरकार ने अपने कई पोस्ट में कहा कि किसी भी सुधार की असली कसौटी यह होती है कि वह

लोगों का बोझ कितना कम करता है। वर्ष 2025 में शासन व्यवस्था में एक स्पष्ट बदलाव देखने को मिला, जहां सुधार जटिलता के बजाय परिणामों पर केंद्रित रहे।

'माई जीओवी इंडिया' पर किए गए पोस्ट में बताया गया है कि सरल कर कानूनों, तेजी से विवाद निपटान, आधुनिक श्रम संहिताओं और कुछ नियमों या कानूनों के उल्लंघन को अपराध की श्रेणी से बाहर रखकर सिर्फ उनके अनुपालन पर जोर देने से नागरिकों और व्यवसायों, दोनों के लिए प्रक्रियाएं आसान हुई हैं। भरोसे, पूर्वानुमेयता और दीर्घकालिक विकास पर जोर दिया गया है, जिससे यह दिखता है कि अच्छी तरह तैयार की गई नीतियां किस तरह रोजमर्रा की जिंदगी को सहज बना सकती हैं।

पोस्ट में कहा गया है कि करोड़ों भारतीयों के लिए कर राहत अब वास्तविकता बन गई है। अब 12 लाख रुपए तक की आय पर शून्य कर लगता है। मध्यम वर्गीय परिवार अब अपनी कमाई का अधिकतर हिस्सा अपने पास रख पा रहे हैं, जिससे उन्हें खर्च, बचत और निवेश करने के साथ अधिक आत्मविश्वास मिला है।

पोस्ट में कहा गया कि आयकर अधिनियम, 2025 ने अनुपालन प्रक्रियाओं को सरल बनाया है और प्रत्यक्ष कर प्रणाली में स्पष्टता, पारदर्शिता और निष्पक्षता लाई है, जिससे यह करदाताओं के लिए अधिक अनुकूल और वर्तमान जरूरतों के अनुरूप बनी है।

न्यायालय व्यापक समाधान का केन्द्र बनें : प्रधान न्यायाधीश

पणजी/भाषा। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने शुक्रवार को कहा कि वह ऐसे न्यायालय की कल्पना करते हैं जो केवल मुकदमे की सुनवाई का स्थान न हो बल्कि विवाद के व्यापक समाधान का केंद्र बने।

दक्षिण गोवा में 'बार काउंसिल ऑफ इंडिया' के राष्ट्रीय सम्मेलन और मध्यस्थता संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि जिला न्यायालयों से लेकर उच्चतम न्यायालय तक, सभी स्तरों पर अधिक संख्या में मध्यस्थों की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि मध्यस्थता के जरिए लंबित

मामलों को कम किया जा सकता है और यह कानून के कमजोर होने का नहीं बल्कि इसके बेहद विकासित होने का संकेत है। उन्होंने कहा, '' जब हम भविष्य की ओर देखते हैं तो मैं एक ऐसे न्यायालय की कल्पना करता हूं जहां न्यायालय केवल मुकदमे की सुनवाई का स्थान न हो बल्कि विवाद समाधान का एक व्यापक केंद्र हो।''

प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि जब कोई व्यक्ति न्याय के लिए अदालत में जाता है तो उसे मध्यस्थता और अंततः मुकदमेबाजी की राह मिलनी चाहिए।

20 बच्चों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नई दिल्ली में शुक्रवार को आयोजित एक समारोह में वीरता, सामाजिक सेवा, पर्यावरण, खेल, कला एवं संस्कृति तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में असाधारण उपलब्धियों के लिए 20 बच्चों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया। उन्होंने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं को बधाई दी और कहा कि पुरस्कार विजेता बच्चों ने अपने परिवारों, समुदायों और पूरे देश को गौरवान्वित किया है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रोत्साहित किए जाने के मकसद से प्रदान किए गए यह पुरस्कार देश भर के सभी बच्चों को प्रेरित करेंगे। उन्होंने वीर बाल दिवस के महत्व के बारे में कहा कि लगभग 320 साल पहले, 10वें सिख गुरु,

गुरु गोविंद सिंह जी और उनके चार पुत्रों ने सत्य एवं न्याय के समर्थन में लड़ते हुए 'सर्वोच्च बलिदान' दिए।

वीर बाल दिवस 26 दिसंबर को मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि दो सबसे कम उम्र के साहिबजादों – बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह – की वीरता को भारत तथा विदेश दोनों जगह सम्मानित किया जाता है। राष्ट्रपति मुर्मू ने सत्य और न्याय के लिए गर्व से अपने प्राणों की आहुति देने वाले उन महान बाल नायकों को श्रद्धापूर्वक याद किया।

राष्ट्रपति ने कहा कि किसी देश की महानता तभी निश्चित होती है जब उसके बच्चे देशभक्ति और उच्च आदर्शों से ओतप्रोत हों। उन्होंने कहा, ''सात वर्षीय वाका लक्ष्मी प्रग्निका जैसी प्रतिभाशाली बच्चियों की बदौलत ही भारत को विश्व स्तर पर शतरंज की महाशक्ति माना जाता है। अपनी बहादुरी और बुद्धिमत्ता से दूसरों की जान बचाने वाले अजय राज और मोहम्मद सिदान पी. हर तरह की प्रशंसा के पात्र हैं।''

विज्ञान और धर्म के बीच कोई टकराव नहीं : मोहन भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुपति/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि विज्ञान और धर्म के बीच कोई संघर्ष नहीं है तथा अंततः सभी लोग विभिन्न मार्गों के माध्यम से एक ही सत्य की खोज करते हैं।

भागवत ने यहां आयोजित भारतीय विज्ञान सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि धर्म को प्रायः मजहब के रूप में गलत समझ लिया जाता है, जबकि वास्तव में यह ''सृष्टि के संचालन को नियंत्रित करने वाला विज्ञान'' है। उन्होंने कहा, ''धर्म कोई मजहब नहीं है। यह वह नियम है, जिसके अनुसार सृष्टि चलती है। कोई इसे माने या न माने, लेकिन इसके बाहर कोई भी कार्य नहीं कर सकता।'' उन्होंने यह भी कहा कि धर्म में असंतुलन विनाश का कारण बनता है।

भागवत ने कहा कि ऐतिहासिक रूप से विज्ञान ने

■ धर्म कोई मजहब नहीं है। यह वह नियम है, जिसके अनुसार सृष्टि चलती है। कोई इसे माने या न माने, लेकिन इसके बाहर कोई भी कार्य नहीं कर सकता।

यह मानते हुए धर्म से दूरी बनाए रखी कि वैज्ञानिक अनुसंधान में उसका कोई स्थान नहीं है, लेकिन यह दृष्टिकोण मूल रूप से गलत है।

उनके अनुसार, विज्ञान और अध्यात्म के बीच वास्तविक अंतर केवल कार्यप्रणाली का है, लेकिन दोनों का लक्ष्य एक ही है। उन्होंने कहा, ''विज्ञान और धर्म या अध्यात्म के बीच कोई टकराव नहीं है। उनकी पद्धतियां भले ही अलग हों, लेकिन मंजिल एक ही है–सत्य की खोज।''

वैज्ञानिक प्रक्रिया की व्याख्या करते हुए भागवत ने कहा कि विज्ञान तथ्यों को स्थापित करने के लिए बाहरी अवलोकन, प्रयोग और दोहराए जाने योग्य अनुभव पर निर्भर करता है, जबकि आध्यात्मिकता आंतरिक अनुभव के माध्यम से उसी सिद्धांत का पालन करती है। उन्होंने कहा, ''आध्यात्मिकता प्रत्यक्ष अनुभव पर भी जोर देती है और कहती है कि जो कुछ भी अनुभव किया जाता है, वह सभी के लिए सुलभ होना चाहिए।''

बारामूला में झेलम नदी में मछुआरे को देवी दुर्गा की पत्थर की मूर्ति मिली

श्रीनगर/भाषा। जम्मू कश्मीर के बारामूला जिले में झेलम नदी से एक मछुआरे को देवी दुर्गा की पत्थर की एक मूर्ति मिली है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि बृहस्पतिवार को उत्तरी कश्मीर जिले के शाल्टांग-जोग्यार इलाके के निवासी नाजिर अहमद लाटू ने सूचना दी कि मछली पकड़ते समय उसे पत्थर की एक मूर्ति मिली। प्रवक्ता ने बताया कि मूर्ति की सूचना तुरंत अधिकारियों को दी गई और उसे शेरी थाने में सुरक्षित रखा गया।

अधिकारी ने बताया कि जम्मू कश्मीर के अभिलेखागार, पुरातत्व और संग्रहालय निदेशालय द्वारा निर्धारित प्रक्रिया व निर्देशों का पालन करते हुए मूर्ति को औपचारिक रूप से श्रीनगर स्थित पुरातत्व विभाग को सौंप दिया गया। प्रवक्ता ने कहा कि जम्मू और कश्मीर पुलिस सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराती है और नागरिकों से अपील करती है कि ऐतिहासिक या पुरातात्विक महत्व की ऐसी किसी भी खोज के बारे में अधिकारियों को तुरंत सूचित करें।

हरियाणा पुलिस ने 24 घंटे के राज्यव्यापी अभियान में 348 अपराधियों को गिरफ्तार किया

चंडीगढ़/भाषा। हरियाणा पुलिस ने पिछले 24 घंटों में राज्यभर से हत्या और डकैती जैसे जघन्य अपराधों में शामिल 35 लोग समेत 348 अपराधियों को गिरफ्तार किया। शुक्रवार को जारी एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। कानून व्यवस्था को मजबूत करने, आपराधिक नेटवर्क को खत्म करने, मादक पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाने और अवैध हथियारों पर रोक लगाने के लिए पुलिस महानिदेशक ओपी सिंह के निर्देशों पर यह विशेष अभियान शुरू किया गया था।

पुलिस ने विभिन्न जिलों से स्वापक औषधि एवं मन: प्रभावी पदार्थ अधिनियम (एनडीपीएस) के तहत 6.785 किलोग्राम गांजा, 10 किलोग्राम चूरा पोस्त, 157 ग्राम अफीम, 74.9 ग्राम हेरोइन और 145 ग्राम चरस बरामद की। इसके अलावा, 48 किलो भुक्की और बड़ी मात्रा में नशे के कैप्सूल और प्रतिबंधित दवाएं जब्त की गईं। अवैध हथियारों के खिलाफ कार्रवाई में पुलिस ने आठ पिस्तौल और आठ कारतूस बरामद किए। पुलिस ने शस्त्र अधिनियम के तहत 16 मामले दर्ज कर 22 आरोपियों को गिरफ्तार किया। संगठित अपराध से जुड़ी एक संपत्ति को ध्वस्त कर दिया गया, आठ अपराधियों के खिलाफ 'लुक-आउट नोटिस' जारी किए गए और अंतरराज्यीय अपराध पर अंकुश लगाने के लिए अन्य राज्यों के साथ खुफिया जानकारी साझा की गई। सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए 41 उपद्रवियों के खिलाफ कार्रवाई की गई और सात घोषित अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। यातायात नियमों के उल्लंघन के लिए 6,986 चालान काटे गए।

गुजरात ने 30 से अधिक साल बाद 'बाघ की मौजूदगी वाले राज्य' का दर्जा फिर से हासिल किया

अहमदाबाद/भाषा। गुजरात ने तीन दशकों से अधिक समय बाद 'बाघ की मौजूदगी वाले राज्य' का दर्जा फिर से हासिल कर लिया है। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) ने गुजरात में एक बाघ की मौजूदगी की पुष्टि की है। उप मुख्यमंत्री हर्ष सांघवी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। एक अन्य मंत्री ने कहा कि इसके साथ ही गुजरात अब शेर और तेंदुए के साथ बाघ का भी घर बन गया है। वन विभाग के रिकॉर्ड के अनुसार, गुजरात में 36 साल पहले 1989 में बाघ विलुप्त हो गए थे। यह घटनाक्रम गुजरात वन विभाग द्वारा यह घोषणा किए जाने के लगभग एक महीने बाद आया है कि एक भटकते हुए बाघ ने दाहोद जिले के रतनमहल वन्यजीव अभयारण्य को अपना नया घर बना लिया है और अब वह वहीं बस गया है। सांघवी ने 'एक्स' पर अपनी एक पोस्ट में कहा कि गुजरात ने 30 से अधिक साल बाद बाघों की मौजूदगी दर्शाने वाले भारत के नक्शे में फिर से जगह बनाई है। उन्होंने कहा कि रतनमहल वन्यजीव अभयारण्य (दाहोद) में लगे कैमरे में रिकॉर्ड किए गए सबूतों की पुष्टि करते हुए एनटीसीए ने वर्ष 2026 की गणना के लिए आधिकारिक तौर पर गुजरात को बाघ वाले राज्य के रूप में फिर से शामिल कर लिया है।

'पारंपरिक मूल्यों से लैस प्रतिभा के दम पर भारत बनेगा वैश्विक शक्ति'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुपति/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने शुक्रवार को कहा कि यदि भारत की जनसंख्या, ज्ञान और प्रतिभा पारंपरिक मूल्यों एवं राष्ट्रीय लक्ष्यों के अनुरूप बनी रहती है तो एक वैश्विक ताकत के रूप में भारत के उभार को रोका नहीं जा सकता है।

नायडू ने यहां आयोजित 'भारतीय विज्ञान सम्मेलन' में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत के विचार से सहमति जताते हुए कहा कि जनसंख्या को स्थिर रखने और राष्ट्रीय शक्ति सुनिश्चित करने के लिए विवाहित जोड़ों को आदर्श रूप से तीन बच्चे पैदा करने चाहिए। नायडू ने कहा, यदि हमारी जनसंख्या, ज्ञान और प्रतिभा हमारे पारंपरिक मूल्यों और राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के मार्गदर्शन में रहे, तो भारत को वैश्विक शक्ति बनने से कोई नहीं रोक सकता है। उन्होंने 1961 में स्थापित राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय की तारीफ करते हुए इसे भारतीय संस्कृति के प्रचार और

'भारतीयता' एवं सभ्यता मूल्यों पर गर्व के साथ विचार-विमर्श करने के लिए मंच बताया। नायडू ने भारत की ऐतिहासिक भूमिका को ज्ञान की अग्रणी शक्ति के रूप में रेखांकित किया। उन्होंने हड़प्पा सभ्यता में 4,500 साल पहले शहरी नियोजन, योग में 2,900 साल पहले के आध्यात्मिक विज्ञान और आयुर्वेद में 2,600 साल पहले के चिकित्सीय नवाचारों का उल्लेख किया।

साथ ही उन्होंने तक्षशिला और नालंदा विश्वविद्यालयों के योगदान का भी उल्लेख किया जहां खगोल विज्ञान, गणित, चिकित्सा और अर्थशास्त्र में महत्वपूर्ण शोध होते थे। मुख्यमंत्री ने प्रवासी भारतीय समुदाय की उच्च प्रति व्यक्ति आय और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र में देश की बढ़त को रणनीतिक ताकत बताया। उन्होंने कहा कि 1991 में शुरू हुए आर्थिक सुधारों से मिली रफ्तार के दम पर भारत जल्द ही दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य रखता है और वर्ष 2047 तक इसका दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का इरादा है। नायडू ने राष्ट्रीय नदी-जोड़ परियोजना के तहत गंगा-कावेरी परियोजना को देश का दीर्घकालीन सपना बताते हुए इसे जल सुरक्षा के लिए आवश्यक बताया और राज्यों के बीच सहयोग पर जोर दिया। जल सुरक्षा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्राथमिकता है और इसे हासिल करना कृषि, उद्योग और राष्ट्रीय विकास के लिए व्यापक संभावनाओं को खोलेगा। मुख्यमंत्री ने अभिभावकों, शिक्षकों और समाज से बच्चों को केवल पश्चिमी सुपरहीरो फिल्मों तक सीमित रखने के बजाय भारतीय महाकाव्य और सांस्कृतिक विरासत के बारे में पढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने फिल्मों के जरिये काल्पनिक सुपरहीरो को मिली लोकप्रियता का जिक्र करते हुए कहा कि रामायण और महाभारत के पात्र उच्च मूल्यों, शक्ति और आदर्शों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

शहादत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शुक्रवार को गुरुद्वारा फतेहगढ़ साहिब में मत्था टेका जहां तीन दिवसीय शहीदी सभा का आयोजन किया जा रहा है। यह वार्षिक समागम 25 से 27 दिसंबर तक आयोजित किया जाता है। यह आयोजन दसवें सिख गुरु, गुरु गोबिंद सिंह के पुत्रों साहिबजादे बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह तथा उनकी दादी माता गुजरी की स्मृति में किया जाता है। मान ने अपनी पत्नी के साथ 'छोटे साहिबज़ादों' और माता गुजरी की अद्वितीय शहादत को नमन किया।

कोयला, लिग्नाइट की खदानें खोलने के लिए मंजूरी की प्रक्रिया में बदलाव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने शुक्रवार को कहा कि उसने कोयला और लिग्नाइट खदानों को खोलने से संबंधित अनुमोदन प्रक्रियाओं को सरल बनाने के लिए नियमों को संशोधित कर दिया है। कोयला मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि इन संशोधनों से प्रक्रियात्मक दोहराव हटाकर संचालन को तेज करने की सुविधा मिलेगी जबकि नियामकीय निगरानी जारी रहेगी।

कोलियरी नियंत्रण नियम, 2004 के नियम-9 के तहत खदान मालिकों को किसी भी खदान या उसकी परत को खोलने से पहले कोयला नियंत्रक संगठन (सीसीओ) की मंजूरी लेनी होती थी। यदि कोई खदान 180 दिन या उससे अधिक समय के लिए बंद रहती थी, तो दोबारा संचालन शुरू करने के लिए भी यह मंजूरी होती थी। अब सरकार ने इस प्रक्रिया में दोहराव को कम करने, कोयला उत्पादन बढ़ाने और अनुमोदन प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए नियम-9 को संशोधित कर दिया है। अब खदानों या उनकी परत को खोलने की मंजूरी संबंधित कोयला कंपनी

के निदेशक मंडल से ही ली जा सकती है। मंत्रालय ने कहा, हालांकि सुरक्षा के तौर पर यह प्रावधान रखा गया है कि संबंधित खदान/ परत को खोलने के लिए निदेशक मंडल केवल तभी मंजूरी देगा जब केंद्रीय/राज्य सरकार और अन्य वैधानिक निकायों की आवश्यक मंजूरी प्राप्त हो। इस बदलाव से खदान संचालन की समय-सीमा में करीब दो महीने तक की कटौती होने की उम्मीद है। नियमों में यह बदलाव संचालन संबंधी निर्णयों को कंपनी निदेशक मंडल तक स्थानांतरित करता है, जबकि नियामकीय निगरानी और वैधानिक सुरक्षा बनाए रखता है।

मंत्रालय ने कहा कि इस संशोधन से दक्षता बढ़ाने, कोयला उत्पादन में तेजी लाने और कोयला नियामकीय ढांचे में विश्वास मजबूत होने की संभावना है।

हैदराबाद में व्यक्ति ने अपनी पत्नी को जलाकर मार डाला

हैदराबाद/भाषा। हैदराबाद में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी के चरित्र पर संदेह होने के कारण कथित तौर पर उसे जिंदा जलाकर मार डाला। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, यह घटना 23 दिसंबर को हुई। पेशे से निर्माण मजदूर आरोपी बोतल में पेट्रोल खरीदकर लाया था। जब उसकी पत्नी सो रही थी, तब उसने उस पर पेट्रोल छिड़क कर आग लगा दी। दंपति की शादी 10 साल पहले हुई थी और महिला घरेलू कामकाज करती थी।

पुलिस ने बताया कि पत्नी के चरित्र पर संदेह होने के कारण आरोपी ने उसकी हत्या करने का फैसला किया और कथित तौर पर वारदात को अंजाम देने से पहले उसने शराब भी पी रखी थी। पुलिस ने बताया कि अपनी मां को आग लगाते देख उनके दोनों बच्चे, एक लड़का (8) और एक लड़की (6)) घर से बाहर भागे तथा आरोपी अपने बेटे के साथ फरार हो गया। उन्होंने बताया कि महिला और उसकी बेटी की चीख-पुकार सुनकर पड़ोसी मौके पर उसे बचाने के लिए पहुंचे और घटना के बारे में पुलिस को सूचित किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने महिला को गंभीर हालत में एक सरकारी अस्पताल पहुंचाया, जहां उसकी मौत हो गई।

इंडिगो पर जीएसटी से जुड़ा 13 लाख रुपए से अधिक का जुर्माना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। देश की सबसे बड़ी विमानन कंपनी इंडिगो पर माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के संबंध में 13 लाख रुपए से अधिक का जुर्माना लगाया गया है।

पंजाब के राज्य कर, उत्पाद शुल्क और कराधान विभाग सहायक आयुक्त के कार्यालय ने वित्त वर्ष 2021-22 से संबंधित 13,28,255 रुपए का जुर्माना लगाया है।

विभाग ने जुर्माने के साथ-साथ जीएसटी की मांग भी उठाई है।

इंडिगो की मूल कंपनी इंटरग्लोब एविएशन ने बृहस्पतिवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा, ''विभाग ने जीसीएटी मांग के साथ जुर्माना भी लगाया है। कंपनी मानती है कि प्राधिकरण द्वारा पारित आदेश त्रुटिपूर्ण है। इसके अलावा कंपनी का मानना है कि उसके पास पर्याप्त सबूत और बाहरी कर सलाहकारों की सलाह के आधार पर मजबूत पक्ष है। इसलिए, कंपनी इस निर्णय को उचित प्राधिकरण के समक्ष चुनौती देगी।''

कंपनी ने यह भी कहा कि इस फैसले का उसके वित्तीय स्थिति, परिचालन या अन्य गतिविधियों पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं पड़ा है।

गुरु गोविंद सिंह और साहिबजादों का बलिदान अतुलनीय है : फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को कहा कि दसवें सिख गुरु, गुरु गोविंद सिंह और उनके पूरे परिवार द्वारा किए गए बलिदान न केवल भारत के इतिहास में बल्कि विश्व के इतिहास में भी अद्वितीय हैं।

मुख्यमंत्री सायन स्थित गुरुद्वारा गुरु तेग बहादुर दरबार में 'वीर बाल' दिवस के अवसर पर आयोजित कीर्तन सभा में बोल रहे थे। यह दिवस श्री गुरु गोविंद सिंह के पुत्र साहिबजादे बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह की शहादत की याद में मनाया जाता है। मुख्यमंत्री ने अरदास भी किया। साहिबजादों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए फडणवीस ने कहा, गुरु गोविंद सिंह और उनके पूरे परिवार द्वारा किए गए बलिदान न केवल भारतीय इतिहास में बल्कि विश्व के इतिहास में भी अद्वितीय हैं। अपार व्यक्तिगत हानि के बावजूद, गुरु गोविंद सिंह अपने सिद्धांतों से कभी विचलित नहीं हुए और उन्होंने मानवता की रक्षा करने और धर्म को कायम रखने के बारे में दुनिया को एक सशक्त संदेश दिया। उन्होंने कहा कि कम उम्र के बावजूद साहिबजादा जोरावर सिंह और साहिबजादा फतेह सिंह ने क्रूरता का बहादुरी से सामना किया और निर्भय होकर शहादत को गले लगाया। उनका बलिदान समाज को प्रेरित करता है और अन्याय के खिलाफ मजबूती से खड़े होने का महत्व सिखाता है। मुख्यमंत्री ने 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस के रूप में मनाने के निर्णय के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद दिया।

हमें समाजवादी भारत बनाने, और वामपंथी एकता पर जोर देना होगा: डी. राजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के महासचिव डी. राजा ने शुक्रवार को वामपंथी एकता का आह्वान किया और कहा कि ''समाजवादी भारत'' बनाने तथा देश को ''फासीवादी'' ताकतों से बचाने की जरूरत है।

राजा ने पार्टी की स्थापना के 100 साल पूरे होने पर भाकपा मुख्यालय अजय भवन में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आगे बड़ी चुनौतियां हैं। उन्होंने कहा, ''आज हम जिन

चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, उन्हें गंभीरता से समझना चाहिए। पिछले 100 वर्षों में पार्टी को कई असफलताओं का सामना करना पड़ा। कई समूह उभरे और कम्युनिस्ट आंदोलन आज विभाजित हो गया है।'' राजा ने कहा, ''यह कब तक जारी रह सकता है? वामपंथी आंदोलन विभाजित है...ब्रिटिश काल के दौरान, हम लड़ रहे थे और एक साथ प्रयास कर रहे थे। वर्तमान राजनीतिक परिस्थिति में वामपंथी कब तक ऐसे रह सकते हैं।'' उन्होंने कहा कि हाल ही में चंडीगढ़ में हुए पार्टी सम्मेलन में इस मुद्दे पर चर्चा हुई थी। राजा ने कहा, ''एक राजनीतिक दल के रूप में हम लगातार वामपंथी एकता की अपील करते रहे हैं... जब हम एकीकरण का आह्वान करते हैं, तो दूसरों को भी गंभीर आत्मनिरीक्षण करना पड़ता है।'' उन्होंने सवाल किया, ''जब फासीवादी ताकतें राजनीतिक इकाइयों को तोड़ रही हैं, तो कम्युनिस्ट कब तक बने रह सकते हैं।'' वरिष्ठ वामपंथी नेता ने दावा किया कि देश पर 'सांप्रदायिक-फासीवादी ताकतों' का हमला हो रहा है।

भाजपा-शिवसेना गठबंधन सत्ता के लिए नहीं बल्कि विकास के लिए है: शिंदे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ठाणे/भाषा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एवं शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ गठबंधन राज्य के विकास और जनता के हित में है, न कि सत्ता के लिए।

शिंदे ने यहां पत्रकारों से बात करते हुए विश्वास जताया कि आगामी महानगर पालिका चुनावों में सत्तारूढ़ महायुति पार्टी को शानदार जीत मिलेगी। उन्होंने विपक्षी दलों के गठबंधनों पर निशाना साधते हुए कहा, भाजपा और शिवसेना का गठबंधन निस्वार्थ है। यह सत्ता के लिए नहीं है। कुछ लोग स्वार्थ और सत्ता के लिए गठबंधन बनाते हैं, लेकिन यह गठबंधन जनता और विकास के लिए बना है। शिंदे ने कहा कि राज्य के नेताओं को यह समझने का पर्याप्त अनुभव है कि किसके साथ और किस उद्देश्य से गठबंधन करना है। उपमुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि उनके नेतृत्व में शिवसेना अपने संस्थापक बालासाहेब ठाकरे के विचारों पर दृढ़ता से आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा, हम बालासाहेब के विचारों पर आगे बढ़ रहे हैं। जिन्होंने उनकी विचारधारा की गलत व्याख्या की, उन्हें कुछ लोगों ने घर में बैठा दिया। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि महायुति बालासाहेब की विचारधारा और विकास के मुद्दों पर चुनाव लड़ेगी। शिंदे की ये टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब 15 जनवरी को होने वाले निकाय चुनावों से पहले शिवसेना में नए सदस्यों की नियुक्ति और संगठनात्मक पुनर्गठन हो रहा है।

केसीआर और रेवंत रेड्डी ने सार्वजनिक बहस की जगह 'अभद्र भाषा' का इस्तेमाल किया : संजय कुमार

हैदराबाद/भाषा। केंद्रीय मंत्री बंडी संजय कुमार ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) ने विकास को दरकिनार करते हुए 'सार्वजनिक बहस की जगह अभद्र भाषा का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है'।

संजय कुमार द्वारा यह आलोचना ऐसे समय में की गई है जब हाल ही में केसीआर ने टिप्पणी कर कांग्रेस सरकार को 'बेकार' कहते हुए उसे हराने की बात कही थी तथा रेवंत रेड्डी ने केसीआर के परिवार को सत्ता में वापस आने से रोकने का प्रण लिया था।

कांग्रेस और बीआरएस के अन्य नेताओं के बीच भी पिछले कई दिनों से जुबानी जंग छिड़ी हुई है तथा वे अक्सर एक-दूसरे पर तीखे कटाक्ष कर रहे हैं।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री संजय कुमार ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''तेलंगाना में विकास की कोई बात नहीं होती बल्कि सिर्फ कोरी बकवास चल रही है और कोई जवाबदेही नहीं है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, कांग्रेस, केसीआर और बीआरएस ने सार्वजनिक बहस की जगह अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया है।'' उन्होंने कहा, ''जब नेता विकास की बात करना बंद कर देते हैं और एक-दूसरे के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल करना शुरू कर देते हैं, तो ये दर्शाता है कि उनके पास शासन में (काम और परिणाम) दिखाने के लिए कुछ भी नहीं है।''

संजय कुमार ने कहा, ''जो पार्टियां भाषा पर उपदेश देती हैं, वही आज संवैधानिक मंचों से अभद्र भाषा का प्रयोग कर रही हैं।''

भारतीय रेलवे की 2030 तक 48 प्रमुख शहरों में ट्रेन क्षमता को दोगुना करने की योजना : मंत्रालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रेल मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि यात्रा में तेज और लगातार हो रही वृद्धि के मद्देनजर अगले पांच वर्षों में प्रमुख शहरों से नई ट्रेन के प्रस्थान की क्षमता को दोगुना करने की आवश्यकता है।

मंत्रालय ने कहा है कि मौजूदा बुनियादी ढांचे को बढ़ाने की जरूरत है ताकि आगामी वर्षों की आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके। वर्ष 2030 तक क्षमता को दोगुना करने के लिए आवश्यक कदमों को रेखांकित करते हुए, योजना में मौजूदा टर्मिनल का अतिरिक्त प्लेटफार्मों के साथ विस्तार, शहरी क्षेत्र के भीतर और आसपास नए टर्मिनल की पहचान और शुरुआत, मेगा कोचिंग कॉम्प्लेक्स सहित रखरखाव सुविधाओं का निर्माण तथा ट्रैफिक सुविधा संबंधी कार्यों के माध्यम से खंड की क्षमता में वृद्धि जैसे उपाय शामिल हैं। मंत्रालय ने कहा, टर्मिनल की क्षमता बढ़ाने की योजना बनाते समय, टर्मिनल के आसपास के स्टेशनों पर भी विचार किया जाएगा ताकि क्षमता समान रूप से संतुलित हो। उदाहरण के लिए, पुणे शहर

के लिए हडपसर, खड़की और आलंदी पर प्लेटफॉर्म को बढ़ाने और लाइन को सुगम करने के साथ-साथ क्षमता बढ़ाने पर विचार किया गया है।

मंत्रालय ने कहा, उपरोक्त कवायद उपनगरीय और गैर-उपनगरीय यातायात दोनों खंडों की विशिष्ट आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए किया जाएगा। मंत्रालय 48 प्रमुख शहरों में स्टेशनों के लिए एक व्यापक कार्यक्रम योजना निदेशालय को प्रस्तुत करेगा। इनमें से कुछ शहर दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, हैदराबाद, बेंगलूरु, पटना, पुणे, मथुरा, आगरा और लुधियाना समेत अन्य हैं। मंत्रालय ने कहा, 'इस योजना में समयबद्ध तरीके से ट्रेन के परिचालन की क्षमता को दोगुना करने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए योजनाबद्ध, प्रस्तावित या पहले से स्वीकृत कार्य शामिल होंगे।'

रेल मंत्रालय ने कहा, क्षमता को 2030 तक दोगुना करने की योजना है, लेकिन उम्मीद है कि अगले पांच वर्षों में क्षमता में उत्तरोत्तर वृद्धि की जाएगी ताकि क्षमता वृद्धि का लाभ तुरंत उठाया जा सके। इससे वर्षों में यातायात की आवश्यकता को उत्तरोत्तर पूरा करने में मदद मिलेगी। योजना तीन श्रेणियों के तहत यानी, तत्काल, अल्पकालिक और दीर्घकालिक कार्यों को वर्गीकृत करेगी।

चिक्कबल्लापुरा हादसा

मृतकों के परिजनों को पांच लाख रुपये के मुआवजे का ऐलान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शुक्रवार को चिक्कबल्लापुरा में एक सड़क दुर्घटना में मारे गए चार युवकों के परिवारों को पांच-पांच लाख रुपये के मुआवजे की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, चिक्कबल्लापुरा शहर के बाहरी इलाके में स्थित अज्ञवारा रोड पर बृहस्पतिवार देर रात हुई दुर्घटना से दुखी हूं। सिद्दरामय्या ने कहा, अपने परिजनों का सहारा रहे इन युवकों की मृत्यु से परिवारों को भारी पीड़ा हुई है। इस कठिन समय में शोक संतप्त परिवारों की सहायता के लिए हम प्रत्येक को पांच लाख रुपये का मुआवजा दे रहे हैं। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्माओं की शांति और परिवारों को दुख सहने की शक्ति प्रदान करने के लिए प्रार्थना की। पुलिस के अनुसार, यह दुर्घटना तब हुई जब चार लोगों को ले जा रही एक बाइक एक ट्रक से भिड़ गई। बताया जा रहा है कि हादसे में जान गंवाने वाले मजदूर थे और चिक्कबल्लापुरा से अज्ञवारा जा रहे थे।

नर्स की हत्या के आरोप में सहकर्मी गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु के एक निजी अस्पताल में काम करने वाली 39 वर्षीय स्टाफ नर्स की कथित तौर पर उसके कनिष्ठ सहकर्मी ने हत्या कर दी। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि आरोपी के साथ नर्स के कथित तौर पर संबंध थे। पुलिस ने बताया कि मृतक ममता, चित्रदुर्ग जिले के हिरियूर की रहने वाली थीं और जयदेव अस्पताल में काम करती थीं। वहीं उसके अपने कनिष्ठ सहकर्मी सी सुधाकर (25) से संबंध बने।

पुलिस के अनुसार, जब ममता ने शादी करने की जिद शुरू की, तो आरोपी ने कथित तौर पर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने कहा कि कुमारस्वामी लेआउट में महिला के किराए के मकान में घटी यह घटना बृहस्पतिवार को तब सामने आई जब उसने अपने परिवार के बार-बार फोन करने पर भी जवाब नहीं दिया, जिसके बाद परिवार ने मकान मालिक को सूचित किया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, ममता और सुधाकर के संबंध थे, लेकिन जब ममता ने शादी की जिद की तो उसे पता चला कि सुधाकर की पहले से ही सगाई हो चुकी है। इसके बावजूद ममता ने सुधाकर पर शादी के लिए दबाव बनाए रखा। घटना वाले दिन जब सुधाकर ममता के घर आया तो दोनों के बीच इसी मुद्दे पर तीखी बहस हुई।

अधिकारी ने बताया कि गुस्से में आकर सुधाकर ने रसोई का चाकू उठाया और महिला का गला काट दिया। उन्होंने बताया कि घटनास्थल से भागने से पहले उसने महिला की सोने की चेन भी ले ली ताकि जांचकर्ताओं को लूटपाट का संदेह हो। अधिकारी ने कहा, हत्या का मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

राज्य की उपलब्धियों का श्रेय खुद लेकर वैष्णव कर्नाटक की सफलता चुरा रहे : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव राज्य की उपलब्धियों का श्रेय खुद लेकर कर्नाटक की सफलता को चुराने का

काम कर रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि डबल इंजन वाली सरकारें कर्नाटक की प्रगति की बराबरी करने में क्यों असमर्थ हैं। सिद्दरामय्या की यह टिप्पणी तब आई जब वैष्णव ने सोशल मीडिया पर अपने पोस्ट में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मेक इन इंडिया' कार्यक्रम की सफलता को स्वीकार करने के लिए लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष एवं और कांग्रेस नेता राहुल गांधी को धन्यवाद। वैष्णव, गांधी के हालिया फेसबुक पोस्ट का जवाब दे रहे थे, जिसमें उन्होंने फॉक्सकॉन ने नयी, महिला-नेतृत्व वाली इकाई में 30,000 कर्मचारियों की भर्ती की' शीर्षक वाली एक समाचार रिपोर्ट साझा की थी और कर्नाटक की यह कहकर प्रशंसा की थी कि उसने एक ऐसा परिवेशी तंत्र बनाकर एक उदाहरण पेश किया है जहां विनिर्माण इतने बड़े पैमाने और गति से बढ़ सकता है।

इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र की ताइवान की कंपनी फॉक्सकॉन' आईफोन की सबसे बड़ी निर्माता है, और चीन के बाहर इसकी दूसरी सबसे बड़ी फैक्टरी बेंगलूरु के पास देवनहल्ली में स्थित है। केंद्रीय मंत्री पर निशाना साधते हुए सिद्दरामय्या ने एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, अगर मेक इन इंडिया' वाकई सफल है, तो भाजपा के डबल-इंजन' वाले राज्य, कर्नाटक के प्रदर्शन की बराबरी क्यों नही कर सकते? उन्होंने कहा, जब आपके पास दिखाने के लिए कोई उपलब्धि नहीं होती, तो आप दूसरों की सफलता चुरा लेते हैं और उसका श्रेय खुद ले लेते हैं।

हीलियम गैस सिलेंडर में ब्लास्ट में एक व्यक्ति की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। कर्नाटक के मैसूरु में एक सिलेंडर फटने से जोरदार धमाका हो गया। धमाका इतना तेज था कि इसकी आवाज काफी दूर तक सुनाई दी। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई और करीब पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। गुरुवार रात मशहूर मैसूरु पैलेस के जयमार्तंडा गेट के पास गुब्बारों में हवा भरने के लिए इस्तेमाल होने वाली हीलियम गैस सिलेंडर फटने से यह हादसा हुआ। सभी घायलों को केआर हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। शुरुआती जांच से पता चला है कि गुरुवार को हुआ यह ब्लास्ट कोई सामान्य या आकस्मिक विस्फोट नहीं था। कर्नाटक पुलिस को ऐतिहासिक मैसूर पैलेस के सामने हुए हीलियम गैस सिलेंडर ब्लास्ट में गड़बड़ी का शक है। सूत्रों ने बताया कि एनआईए की एक टीम घटनास्थल का दौरा कर सकती है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस धमाके में सलीम की मौके पर ही मौत हो गई। 40 वर्षीय सलीम उत्तर प्रदेश का रहने वाला था और करीब 15 दिन पहले मैसूर आया था। पिछले एक हफ्ते से वह महल के आसपास गुब्बारे बेच रहा था। स्थानीय विक्रेताओं ने पुलिस को बताया कि उन्होंने सलीम को पहले कभी नहीं देखा था।

पुलिस के अनुसार सलीम को सबसे पहले रात करीब 8.30 बजे महल के वराह गेट के पास देखा गया था, जहां एंट्री टिकट बेचे जाते हैं। बाद में वह जयमार्तंडा गेट पर चला गया, जहां आमतौर पर काफी भीड़ रहती है क्योंकि वहां से महल का सामने का नजारा दिखता है। इसी जगह पर हीलियम गैस सिलेंडर फटा। पैलेस बोर्ड ने क्रिसमस की छुट्टियों और नए साल के जश्न को देखते हुए 10 दिन का 'मागी उत्सव' फूल और फल प्रदर्शनी का आयोजन किया था, जो रविवार को शुरू हुआ था। इस कार्यक्रम के तहत हर रात म्यूजिकल प्रोग्राम हो रहे हैं। गुरुवार रात को वासुकी वैभव मंडली का कार्यक्रम चल रहा था, तभी सिलेंडर में धमाका हुआ। इस घटना के बाद कार्यक्रम को बीच में ही रोक दिया गया। आगे की जांच जारी है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि वे इस मामले में हर पहलू की जांच करेंगे, क्योंकि मैसूरु एक टूरिस्ट हब है और क्रिसमस और नए साल के जश्न के दौरान बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं।

बस हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर 7 हुई, बस चालक ने तोड़ा दम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चित्रदुर्ग । कर्नाटक के चित्रदुर्ग में गुरुवार को हुए बस हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर सात हो गई है। शुक्रवार तड़के हादसे का शिकार बस ड्राइवर ने दम तोड़ दिया। कंटेनर ट्रक से टक्कर के बाद गुरुवार को स्लीपर बस में आग लगने से छह लोग जिंदा जल गए और 21 अन्य लोग झुलस गए। बस ड्राइवर, 42 साल के मोहम्मद रफीक, जो हावेरी जिले के शिगगांव के रहने वाले थे, को हुबली शहर के केआईएमएस अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हादसे के बाद वह अपने असिस्टेंट के साथ बस से बाहर गिर गए थे। पुलिस ने बताया कि मोहम्मद रफीक का गुरुवार रात को ऑपरेशन हुआ, लेकिन शुक्रवार तड़के चोटों के कारण उनकी मौत हो गई। बस ड्राइवर मोहम्मद रफीक ने हॉस्पिटल में बताया था कि उन्हें बस इतना याद है कि एक तेज रफ्तार ट्रक अचानक उनकी बस से टकरा गया।

उन्होंने बताया कि मैं करीब 60 से 70 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड से गाड़ी चला रहा था। मुझे बस इतना याद है कि एक कंटेनर ट्रक आया और मेरी गाड़ी से टकरा गया। मैंने बस को कंट्रोल करने की कोशिश की, लेकिन यह मुमकिन नहीं था। जब मैं गाड़ी को साइड में करने की कोशिश कर रहा था, तो बगल वाली लेन में एक और बस चल रही थी। उसके बाद क्या हुआ, मुझे नहीं पता। मुझे याद नहीं कि मैं कैसे बाहर निकला।

एक और यात्री, मंजूनाथ की हालत गंभीर थी। वह 30 प्रतिशत जल गया है और फिलहाल बेंगलुरु के विक्टोरिया अस्पताल के बर्न वार्ड आईसीयू में उसका इलाज चल रहा है। इस बीच, अधिकारियों ने बताया कि पांच यात्रियों के जले हुए शव डीएनए टेस्ट के नतीजे आने के बाद उनके परिवारों को सौंप दिए जाएंगे। पुलिस ने बताया कि हड्डियों के सैंपल फॉरेंसिक जांच के लिए भेजे गए हैं, और नतीजे एक या दो दिन में आने की उम्मीद है। पुलिस ने मृतकों की पहचान पूरी कर ली है।

पीड़ितों की पहचान 26 साल की एएम नव्या के रूप में हुई है, जो बेंगलुरु के मान्यता टेक पार्क में एक प्राइवेट कंपनी में सॉफ्टवेयर प्रोफेशनल थीं। वह हासन जिले के चन्नरायपट्टना के पास एकलेनाहल्ली की रहने वाली थीं। दूसरी पीड़ित, 27 साल की मानसा, हासन जिले के चन्नरायपट्टना में टेग्गेनाहल्ली लेआउट की रहने वाली थीं। वह भी सॉफ्टवेयर प्रोफेशनल थीं। वहीं, 22 साल की रश्मि रत्नाकर महाले कारवार जिले के भटकल शहर के पास शिराली गांव की रहने वाली थीं। वह एक आईटी प्रोफेशनल थीं। अन्य मृतकों में 29 साल की बिंदू और उनकी पांच साल की बेटी ग्रेया शामिल हैं, जो बेंगलुरु के गिरिनगर इलाके की रहने वाली थीं। मृत ट्रक ड्राइवर की पहचान उत्तर प्रदेश के कुलदीप यादव के रूप में हुई है।

बस से पांच शव बरामद किए गए, जो पूरी तरह जल गई थी। एक और शव कंटेनर ट्रक से निकाला गया है। अधिकारियों ने कुल छह शव बरामद किए हैं। बस में ड्राइवर और कंडक्टर समेत कुल 32 लोग यात्रा कर रहे थे।

पुलिस के अनुसार, यह घटना सुबह करीब 2 बजे नेशनल हाईवे 48 पर गोरलट्टू क्रॉस पर हुई, जब विपरीत दिशा से आ रहा एक कंटेनर ट्रक डिवाइडर पार कर गया और बस से टकरा गया, क्योंकि ट्रक ड्राइवर ने गाड़ी से कंट्रोल खो दिया था। ट्रक ड्राइवर की पहचान उत्तर प्रदेश के कुलदीप यादव के रूप में हुई है। पुलिस महानिरीक्षक (पूर्व) बीआर रविकांत गौड़ा ने कहा कि प्राइवेट स्लीपर कोच बस को विपरीत दिशा से आ रहे कंटेनर ट्रक ने टक्कर मारी, जो डिवाइडर पार करके पूरी रफ्तार से बस से टकरा गया। उन्होंने कहा कि हमें शक है कि ट्रक सीधे बस के फ्यूल टैंक से टकराया। फ्यूल लीक होने के बाद बस में आग लग गई और वह पूरी तरह जल गई।

सड़क हादसे में एक ही परिवार के दो लोगों की मौत

बेंगलूरु। बेंगलूरु के बाहरी इलाके में एक कार के सड़क किनारे पेड़ से टकरा जाने के कारण एक ही परिवार के दो लोगों की मौत हो गई और चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान हरीश शास्त्री (39) और उसके पिता वीरभद्र (80) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, यह हादसा 25 दिसंबर को शाम करीब छह बजे बेंगलूरु ग्रामीण जिले के नेलमंगला तालुक स्थित थोटगेरे क्रॉस के पास उस वक्त हुआ जब परिवार अपने गांव से घर लौट रहा था। उसने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला कि चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया और कार पेड़ से जा टकराई।

हवाई अड्डे ने टर्मिनल एक के आगमन पिक-अप' क्षेत्र में मुफ्त पार्किंग की अवधि बढ़ाई

बेंगलूरु। बेंगलूरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे ने टर्मिनल एक के आगमन पिक-अप' क्षेत्र में मुफ्त पार्किंग की अवधि 26 दिसंबर से 10 मिनट से बढ़ाकर 15 मिनट कर दी है। हवाई अड्डा संचालक कंपनी बेंगलूरु अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (बीआईएएल) ने कहा कि यह नियम निजी वाहनों और टैक्सी सेवाओंदोनों पर लागू होगा। इसका उद्देश्य यात्रियों और उनके परिवारों के लिए अधिक सुविधा और लचीलापन प्रदान तथा यातायात को सुचारु बनाए रखना एवं पिक-अप' के अनुभव को और अधिक सहज बनाना है। बीआईएएल ने एक बयान में कहा, यात्रियों की आवाजाही को और सुगम बनाने तथा आगमन के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए, यात्री पी3/पी4 पिक-अप' क्षेत्रों से आने-जाने के लिए उपलब्ध शटल सेवाओं , छह कारों और 10 बग्गियों के बेड़े में से किसी एक को चुन सकते हैं।

गृह मंत्री ने मैसूर ब्लास्ट की रिपोर्ट मांगी, पांच घायलों का चल रहा इलाज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु । मैसूरु में हीलियम गैस सिलेंडर ब्लास्ट में कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने शुक्रवार को विस्तृत रिपोर्ट मांगी। इस हादसे में एक गुब्बारे बेचने वाले की मौत हो गई और 5 पर्यटक घायल हो गए थे। बेंगलूरु में पत्रकारों से बात करते हुए गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने कहा, मैंने अधिकारियों को अतिरिक्त सुरक्षा उपाय करने का

निर्देश दिया है, क्योंकि उस इलाके में बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं। उन्हें पर्यटन विभाग के साथ भी तालमेल बैठाना चाहिए। जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में जो हुआ, उसे देखते हुए हमें ऐसी घटनाओं को गंभीरता से लेना होगा। निगरानी बढ़ाने के निर्देश जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा, सिलेंडर ब्लास्ट में गुब्बारे बेचने वाले की मौत हो गई है। पुलिस ने मुझे बताया है कि वह उत्तर प्रदेश के लखनऊ का रहने वाला था। मैंने अधिकारियों से धमाके पर एक रिपोर्ट सौंपने को कहा है। हमें मैसूर में गुब्बारे बेचने वाली एक नाबालिग लड़की के साथ हुए पहले के रेप केस की भी याद आ रही है। ऐसा लगता है कि मैसूर जैसे ऐतिहासिक शहर में छोटे विक्रेताओं के लिए कोई उचित नियम नहीं है।

परमेश्वर ने आगे कहा, जब मैं मैसूरु जाऊंगा, तो मैं फिर से बताऊंगा कि क्या कार्रवाई करने की जरूरत है। कर्नाटक के गृह मंत्री ने कहा, मैंने अधिकारियों से यह जांच करने को कहा है कि क्या सार्वजनिक जगहों पर हीलियम गैस सिलेंडर का इस्तेमाल करके गुब्बारे बेचने की कोई अनुमति है। हमें यह पता लगाना होगा कि उसने सिलेंडर और हीलियम गैस कैसे हासिल की और इसे कहां से खरीदा गया था। हर चीज की जांच की जाएगी, और एक रिपोर्ट सौंपी जाएगी। उन्होंने आगे कहा, मैसूर सिटी पुलिस कमिश्नर और इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस मामले की जांच कर रहे हैं और मैंने उनसे जांच पूरी होने के बाद एक रिपोर्ट सौंपने को कहा है। कर्नाटक के मैसूरु में एक सिलेंडर फटने से जोरदार धमाका हुआ था। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई और करीब पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। गुरुवार रात मशहूर मैसूर पैलेस के जयमार्तंडा गेट के पास गुब्बारों में हवा भरने के लिए इस्तेमाल होने वाली हीलियम गैस सिलेंडर फटने से यह हादसा हुआ।

मैसूरु के योग नरसिम्हास्वामी मंदिर में नए साल पर विशेष तैयारी, 2 लाख लड्डू तैयार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। श्री योग नरसिम्हास्वामी मंदिर (विजयनगर प्रथम चरण) नए साल 2026 का स्वागत करने के लिए पूरी तरह तैयार है। मंदिर में तिरुपति स्टाइल के 2 लाख लड्डु बांटने की तैयारियां जोरों पर हैं, जो पिछले कई वर्षों से चली आ रही परंपरा का हिस्सा है। मंदिर के संस्थापक और धर्माधिकारी भाष्यम स्वामीजी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके बताया कि 1 जनवरी 2026 को सुबह 4 बजे से रात 11 बजे तक भक्तों को लड्डु प्रसाद के रूप में वितरित किए जाएंगे।

पिछले 10 दिनों से 100 कुशल शेफ दिन-रात काम कर रहे हैं। इस बार 10,000 बड़े लड्डू (प्रत्येक 2 किलो वजन के) और 2 लाख छोटे लड्डु (150 ग्राम वजन के) तैयार किए गए हैं। लड्डु बनाने में इस्तेमाल होने वाली सामग्री में 100 क्विंटल बेसन, 200 क्विंटल चीनी, 10,000 लीटर खाने का तेल, 500 किलो काजू, 500 किलो किशमिश, 250 किलो बादाम, 1,000 किलो डायमंड शुगर, 2,000 किलो बूरा चीनी, 50 किलो पिस्ता, 50 किलो इलायची, 50 किलो जायफल-जावित्री, 50 किलो कपूर और 200 किलो लौंग शामिल हैं।

ये लड्डु तिरुपति के प्रसिद्ध लड्डु की तरह स्वादिष्ट और गुणवत्ता वाले होंगे। 1 जनवरी को भगवान योग नरसिम्हास्वामी को विशेष भोग लगाया जाएगा। वहीं, शानदार सजावट होगी, जिसमें सुनहरे फूल, सहस्त्रनाम अर्चना (सौ नामों की पूजा) और उत्सव मूर्ति शामिल होंगे। भक्तों को लड्डु के साथ 50 क्विंटल पुलियोगारे प्रसाद भी बांटा जाएगा। यह परंपरा 1994 में शुरु हुई, जब स्वर्गीय डॉ. राजकुमार और उनके परिवार ने मंदिर दर्शन के दौरान सुझाव दिया कि तिरुपति जाने में असमर्थ भक्तों के लिए यहां भी ऐसा प्रसाद मिलना चाहिए।

शुरु में 1,000 लड्डु से शुरुआत हुई, जो अब लाखों तक पहुंच गई है। मंदिर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं, जिसमें सीसीटीवी, पुलिस बल, अलग-अलग प्रवेश द्वार (महिलाओं, वरिष्ठों और दिव्यांगों के लिए) शामिल हैं। लड्डु की गुणवत्ता की जांच भी की गई है। स्वामीजी ने कहा कि यह प्रसाद नए साल की शुरुआत में भक्तों को आशीर्वाद और खुशी प्रदान करता है। मंदिर में लाखों भक्तों के आने की उम्मीद है, जो मैसूर की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को मजबूत बनाता है।

दक्षिण पश्चिम रेलवे

निविदा सूचना सीओएमएमएल/एमवाईएस/13/2025 दिनांक 19.12.2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं।

क्र.सं.	कार्य की मद
1.	मैसूर डिविजन के भीतर पांच वर्षों की अवधि के लिए मैसूर और चामराजनगर खंड के बीच स्थित कोणनूरु हाल्ट स्टेशन पर हाल्ट एजेंट की नियुक्ति के लिए निविदा आमंत्रित की जाती है।

निविदाएँ जमा करने की अंतिम तिथि 03.02.2026 को 15.00 बजे तक

विस्तृत विवरणों के लिए लॉग ऑन करें www.swr.indianrailways.gov.in

वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक, मैसूर

PUB/771/AAD360/PRB/SWR/2025-26

अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए Google Play Store से UTS मोबाइल ऐप डाउनलोड करें।

South Western Railway - SWR SWRRLY SWRRLY

दक्षिण पश्चिम रेलवे

अधिसूचना सं. एमवाईएस/सीओएमएमएल/13/2025 दिनांक 04.11.2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी मैसूर डिविजन के भीतर हासन, कबकपुत्तरू, बंतवाल, कुम्सि, अज्जमपुर, करडि व्याडरहल्लि, तोलहुणसे, सकरायपटण, येडमंगल, अटालाकु, मसरहल्लि, हब्बनघट्टा, अमृतपुरा, नागवंगला और शिवपुरा रेलवे स्टेशनों के लिए कमीशन आधार पर एसटीबीए (स्टेशन टिकट बुकिंग एजेंट) की नियुक्ति के लिए आवेदन आमंत्रित करते हैं।

निविदाएँ जमा करने की अंतिम तिथि 29.01.2026 को 15.00 बजे तक

विस्तृत विवरणों के लिए लॉग ऑन करें www.swr.indianrailways.gov.in

वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक, मैसुरु

PUB/774/AAD360/PRB/SWR/2025-26

अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए Google Play Store से UTS मोबाइल ऐप डाउनलोड करें।

South Western Railway - SWR SWRRLY @SWRAILWAYHQ @sw_railways

कोहली, पंत की अर्धशतकीय पारियों से दिल्ली ने गुजरात को सात रन से हराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। विराट कोहली और ऋषभ पंत के शानदार अर्धशतकों के दम पर दिल्ली ने विजय हजारे ट्रॉफी के एलीट ग्रुप डी के मैच में शुक्रवार को गुजरात पर सात रन की रोमांचक जीत दर्ज की। गुजरात की टीम लक्ष्य का पीछा करते समय अच्छी स्थिति में थी लेकिन उनके बल्लेबाजों के गैर जिम्मेदाराना रवैये के कारण टीम को मैच गंवाना पड़ा। प्लेयर ऑफ द मैच' कोहली (61 गेंद में 77) और पंत (79 गेंद में 70 रन) ने दिल्ली को 50 ओवर में नौ विकेट पर 254 रन के सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। गुजरात की टीम 47.4 ओवर में 247 रन पर आउट हो गई। कोहली और पंत दोनों की बल्लेबाजी उनके नैसर्गिक खेल से अलग दिखी। कोहली ने जहां आक्रामक बल्लेबाजी की वहीं पंत ने बड़े शॉट खेलने पर दौड़कर रन चुराने को तरजीह दी।

प्रियांश आर्य के आउट होने के बाद क्रीज पर आये कोहली ने चिंतन गाजा के खिलाफ शानदार ड्राइव कर चार रन बटोरे। एक छोर से जहां दिल्ली के बल्लेबाज जहां संघर्ष कर रहे थे वहीं दूसरी छोर से कोहली बेखौफ बल्लेबाजी कर रहे थे। उन्होंने गाजा के खिलाफ पुल शॉट पर छह रन बटोरने के बाद अर्जुन नगवासवाला के खिलाफ फ्लिक शॉट पर छक्का जड़ा। उन्होंने रवि बिश्नोई के खिलाफ कवर क्षेत्र में शानदार चौके के

साथ लिस्ट ए क्रिकेट में अपना 85वां अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने 29 गेंद में 10 चौके और एक छक्का की मदद से अपना पचासा पूरा किया।

बायें हाथ के स्पिनर विशाल जायसवाल (42 रन पर चार विकेट) ने उनकी पारी का अंत कर लगातार दूसरा शतक पूरा करने से रोक दिया। जायसवाल ने कोहली से पहले नीतीश राणा (12) और अर्पित राणा (10) को भी चलता किया। कोहली जब आउट हुए तब टीम का स्कोर चार विकेट पर 108 रन था। पंत ने इसके बाद जोखिम लेने से बचते हुए बल्लेबाजी की। उन्होंने 64 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया। पंत ने हर्ष त्यागी (40) के साथ 73 रन की साझेदारी कर दिल्ली की पारी को स्थिरता दी

सिमरजीत सिंह और इशांत शर्मा ने आखिरी विकेट के लिए 19 रन जोड़ कर दिल्ली को 250 रन के पार पहुंचाया। आर्यन देसाई (57) के अर्धशतक से गुजरात ने लक्ष्य का पीछा करते हुए मजबूत शुरुआत की। देसाई ने पहले विकेट के लिए उर्विल पटेल (31) के साथ 67 और दूसरे विकेट के लिए अभिषेक देसाई के साथ 54 रन की साझेदारी की। टीम ने एक विकेट पर 121 रन के स्कोर के बाद 23 रन के अंदर आर्यन, अभिषेक, जयमीत पटेल और हेमांग पटेल के विकेट गंवा दिया। सौरव चौहान (49) ने इसके बाद छठे विकेट के लिए जायसवाल के साथ 69 रन की साझेदारी कर गुजरात को मैच में बनाये रखा। सिमरजीत सिंह ने चौहान को आउट किया जिसके बाद टीम ने एक बाद लगातार अंतराल पर विकेट गंवा दिये। ग्रुप के अन्य मैचों में सेना को महज 83 रन पर आउट करने के बाद ओडिशा ने चार विकेट से जीत दर्ज की। आंध्र ने रेलवे को नौ विकेट पर 266 रन पर रोकने के बाद 44.4 ओवर में रिकी भुई की 76 और नीतीश कुमार रेड्डी की नाबाद 55 रन की पारी से लक्ष्य हासिल कर छह विकेट से जीत दर्ज की। हरियाणा ने 11 ओवर शेष रहते सौराष्ट्र को छह विकेट से हराया। सौराष्ट्र की टीम हार्विक देसाई की 101 रन पारी के बावजूद 253 रन पर आउट हो गयी। यशवर्धन दलाल ने नाबाद 164 रन की पारी के साथ हरियाणा को आसान जीत दिला दी।

रियल एस्टेट डेवलपर ने सरकारी अधिकारियों पर जमीन के मालिकाना हक में बदलाव का आरोप लगाया

जयपुर। जयपुर की एक रियल एस्टेट डेवलपर कंपनी ने जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) के अधिकारियों पर जमीन के रिकॉर्ड में हेरफेर करने और भूखंड का अवैध रूप से बंटवारा करके उसके मालिकाना हक में बदलाव करने का आरोप लगाया है। राजदरबार पिंकसिटी डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड ने जेडीए के आयुक्त को दी गई शिकायत में दावा किया है कि उसने 2005 में भांकरोटा के पास जयसिंहपुरा बास गांव में विलेखों के माध्यम से 3.14 हेक्टेयर कृषि भूमि खरीदी थी।

कंपनी ने बताया कि राजस्थान भूमि राजस्व अधिनियम के तहत भूमि कब्जा समेत सभी कानूनी प्रक्रियाएं उसी वर्ष पूरी कर ली गई थीं और जेडीए की मंजूरी भी मिल गई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि जनवरी 2021 में जेडीए के अधिकारियों ने कंपनी की सहमति के बिना भूमि विभाजन का एक दस्तावेज तैयार किया। कंपनी का कहना है कि इस दस्तावेज को कोई आधिकारिक स्वीकृति या संख्या नहीं मिली हुई थी, फिर भी इसका उपयोग खाता नंबर और भूमि क्षेत्र बदलने के लिए किया गया।

हस्तशिल्पियों को रोजगार के नए अवसर दे रही राज्य सरकार : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश की 8 करोड़ जनता का कल्याण सर्वोपरि है तथा प्रदेशवासियों की सेवा की प्राथमिकता के साथ हमारी सरकार नई-नई नीतियां एवं योजनाओं का क्रियान्वयन कर रही है। उन्होंने कहा कि हमने संकल्प पत्र में जो वादे किए थे, हमारी सरकार आने पर उसमें से 70 प्रतिशत वादों को पूरा किया जा चुका है। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रत्येक जरूरतमंद तक पहुंचाएं। शर्मा शुक्रवार को जोधपुर में पश्चिमी राजस्थान उद्योग हस्तशिल्प उत्सव-2026 के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लघु उद्योग भारती राष्ट्रप्रथम की विचारधारा एवं लोकसेवा की भावना के साथ कार्य कर रही है। संस्थान द्वारा आयोजित इस उत्सव से पश्चिम राजस्थान का क्षेत्र हस्तशिल्प उद्योग का वैश्विक केन्द्र बन सकेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हस्तशिल्प उद्योग ग्रामीण भारत के सशक्तीकरण का माध्यम है तथा इन्होंने परंपरा और पहचान का संरक्षण किया है। यह श्रमिकों, महिलाओं, युवाओं और गरीबों के स्वावलंबन का माध्यम भी बना है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने हस्तशिल्पियों के कल्याण को सर्वोपरि माना है तथा उन्हें कौशल प्रशिक्षण देते हुए नए मार्केट लिंकेज दिए जा रहें हैं जिससे वे अपने उत्पादों को उचित दाम पर बेच सकें। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने हस्तशिल्पियों को सहायता देने के लिए 1,197 दस्तकारों को परिचय पत्र जारी किए हैं। राज्य सरकार द्वारा बुनकर पुरस्कार योजना, बाजार सहायता योजना एवं चर्म प्रशिक्षण योजना से विभिन्न हस्तशिल्पियों को लाभ पहुंचाया जा रहा है। साथ ही, माटी कला कामगारों को निःशुल्क इलेक्ट्रिक चाक व मिट्टी गूंथने की मशीनें भी दी गई हैं।

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हम आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार कर रहे हैं। राजीविका के माध्यम से महिलाओं को सशक्त किया जा रहा है। अब तक प्रदेश में 19 लाख से अधिक महिलाओं को लखपति दीदी योजना के माध्यम से प्रशिक्षण देकर 12 लाख से ज्यादा लखपति दीदी बनायी गई हैं। साथ ही, अब वे मिलेनियर भी बनने जा रही हैं। उन्होंने कहा कि रोजगार सृजन कार्यक्रम एवं औद्योगिक प्रोत्साहन शिविरों से रोजगार को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी तरह पीएम विश्वकर्मा योजना में 21 लाख 73 हजार व्यक्तियों ने ऑनलाइन पंजीकरण करवाया है।

योजना के तहत 54 हजार 202 लाभार्थियों को ऋण स्वीकृत कर लाभार्थियों को ऋण उपलब्ध कराया गया। कारपेंटर, मूर्तिकार, कुम्हार, राजमिस्त्री सहित 18 ट्रेड्स के दस्तकारों को 5 प्रतिशत ब्याज पर ऋण के साथ 2 प्रतिशत अतिरिक्त अनुदान दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा गत वर्ष आयोजित हुए राइजिंग राजस्थान में 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू हुए। जिसमें से 8 लाख करोड़ रुपये से अधिक के प्रोजेक्ट्स की ग्राउंड ब्रेकिंग हो चुकी है। उन्होंने कहा कि हम युवाओं को 5 साल में सरकारी क्षेत्र में 4 लाख तथा निजी क्षेत्र में 6 लाख रोजगार के अवसरों का सृजन करने के लक्ष्य के साथ काम कर रहे हैं। अब तक 92 हजार पदों पर सरकारी नियुक्तियां दी जा चुकी हैं। 1 लाख 53 हजार से अधिक पदों पर भर्ती प्रक्रिया जारी है। साथ ही, निजी क्षेत्र में 2.50 लाख से अधिक रोजगार के अवसर दिए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए हमने 28 नवीन नीतियां जारी की हैं।

शर्मा ने कहा कि उद्योगों को प्रोत्साहन के लिए राज उद्योग मित्र पोर्टल पर 3,266 एमएसएमई उद्यमों को प्राप्ति प्रमाण पत्र जारी किए गए हैं। साथ ही, राजस्थान एमएसएमई नीति- 2024 को 8 दिसम्बर, 2024 को अधिसूचित किया गया। मुख्यमंत्री लघु उद्योग प्रोत्साहन योजना के 7 हजार 186 आवेदकों को 1946.84 करोड़ रुपये ऋण वितरण और 436.82 करोड़ रुपये का ब्याज अनुदान दिया गया। उन्होंने कहा कि रीको द्वारा 31 औद्योगिक क्षेत्रों की स्थापना के लिए 2,862 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई। जोधपुर के बोरानाड़ा विस्तार क्षेत्र में 161.75 एकड़ पर हैंडीक्राफ्ट और फर्नीचर पार्क विकसित किया गया तथा चित्तौड़गढ़ और बीकानेर में दो प्रमुख सिरेमिक जोन विकसित किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना को अक्टूबर, 2024 को अधिसूचित किया गया तथा विभिन्न प्रकरणों में स्टाम्प ड्यूटी व भूमि रूपांतरण से संबंधित पात्रता प्रमाण-पत्र जारी किए गए।

राजस्थान में स्वास्थ्य सेवाएं चरमराईं : गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर शुक्रवार को राज्य की भारतीय जनता पार्टी सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि राजस्थान में स्वास्थ्य सेवाएं चरमरा गई हैं। गहलोत ने 'एक्स' पर लिखा, सोचिए, आपका 'एक वोट' क्या कर सकता है? आज जब अखबारों में प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था की बदहाली की खबरें देखता हूं और अपनों को खोते परिवारों की चीखें सुनता हूँ, तो मन व्यथित हो जाता है।

उन्होंने कहा, 'आपके उसी 'एक वोट' ने जब कांग्रेस को सेवा का मौका दिया था, तब हमने राजस्थान को 25 लाख रुपए का चिरंजीवी बीमा, देश का पहला 'स्वास्थ्य का अधिकार' कानून, हर जिले में मेडिकल कॉलेज, नए अस्पताल, दूर-दराज के इलाकों तक स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार एवं कोविड जैसी महामारी को हराकर देश का नंबर-1 हेल्थ मॉडल बनाया था। कांग्रेस नेता ने कहा, अफ़सोस! भाजपा के सांप्रदायिक और भ्रमित करने वाले प्रचार एवं विज्ञापनों ने कांग्रेस को हराकर प्रदेश के विकास की गति रोक दी। आज स्वास्थ्य सेवाएं चरमरा चुकी हैं।

अरावली मुद्दे पर आंकड़ों के जाल में फंसाकर लोगों को भ्रमित कर रही है सरकार : पायलट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के महासचिव सचिन पायलट ने अरावली पर्वतमाला की नयी परिभाषा को लेकर शुक्रवार को केंद्र व राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि अवैध खनन जारी है और आंकड़ों के जाल में फंसाकर लोगों को भ्रमित किया जा रहा है। उन्होंने यहां नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) के 'अरावली बचाओ-भविष्य बचाओ' अभियान के तहत पैदल मार्च को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा, हमें इस बात पर चिंतन करना होगा कि ऐसी क्या मजबूरी है। किस कारण से अरावली की पहाड़ियों को भाजपा सरकार खतरे में डाल रही है। आज भी सैकड़ों जगह अरावली की पहाड़ियों पर अवैध खनन जारी है। बच्चा-बच्चा जानता है। आप अदालत में क्या हलफनामा देते हैं, वह अलग बात है।

पायलट ने भारतीय वन सर्वेक्षण का हवाला देते हुए कहा कि राजस्थान, गुजरात, हरियाणा और दिल्ली में अरावली श्रृंखला में जो पर्वत आते हैं, उनमें से 1,18,000 पर्वत 100 मीटर से कम ऊंचाई वाले हैं जबकि 100 मीटर से ज्यादा ऊंचाई वाले सिर्फ 1,048 पहाड़ हैं। उन्होंने कहा कि चतुराई करके अदालत से अरावली पर्वत की परिभाषा तैयार कराई गई है और सरकार कहती है वह खनन पर प्रतिबंध लगा रही है, जबकि प्रतिबंध तो 2002 से ही है।

पायलट ने कहा कि खनन पर प्रतिबंध लगाने से कुछ नहीं होता बल्कि नीयत साफ होनी चाहिए। पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार बार-बार कह रही है कि वह राज्य को नुकसान नहीं होने देगी जबकि नुकसान तो हो रहा है, अवैध खनन जारी है, आंकड़ों के जाल में फंसाकर लोगों को भ्रमित किया जा रहा है। पायलट ने राज्य सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि सरकार धरातल पर जाकर देखे, किसके आशीर्वाद से लगातार अवैध खनन हो रहे हैं।उन्होंने कहा कि सरकार अवैध खनन को नहीं रोक पा रही और अदालत में कहती है कि 100 मीटर ऊंची पहाड़ी को अरावली पर्वत माना जाएगा जबकि उससे कम ऊंचाई वाली पहाड़ियों को अरावली पर्वत नहीं माना जाएगा। उन्होंने कहा कि एनसीआर (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) में कितना प्रदूषण है, इससे कितना नुकसान हो रहा है, इस नुकसान को ये पहाड़ ही रोकते हैं, ये बात 100 मीटर की नहीं है ये बात आने वाली 100 पीढ़ियों की है। पायलट ने कहा कि अरावली पर्वतमाला सिर्फ एक पहाड़ों का समूह नहीं है बल्कि अरावली पूरे उत्तर भारत के अधिकांश हिस्से को सुरक्षित रखती है, लाखों करोड़ों लोगों के लिए सुरक्षा कवच बनकर अरावली पर्वतमाला खड़ी है।

कांग्रेस विधायक रफीक खान ने कहा कि अरावली कोई छोटा मसला नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ही नहीं, इस मामले को लेकर पूरा देश एकजुट है। खान ने कहा कि जितनी भी बातें केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र सिंह यादव ने कहीं, वे सब मिथ्या और तथ्यहीन हैं।

सामूहिक दुष्कर्म मामले में तीन गिरफ्तार, पुलिस हिरासत में भेजे गए

जयपुर। उदयपुर शहर में एक निजी आईटी कंपनी की प्रबंधक के साथ कथित सामूहिक दुष्कर्म के मामले में कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि अदालत ने तीनों आरोपियों को पुलिस हिरासत में भेजा है। पुलिस के अनुसार, आरोपी सीईओ जितेश सिसोदिया ने पिछले शनिवार को अपनी जन्मदिन पार्टी रखी थी जिसमें पीड़िता भी आमंत्रित थी। मेरठ के रहने वाले दूसरे आरोपी गौरव सिरोही और कंपनी में एग्जीक्यूटिव हेड उसकी पत्नी को भी गिरफ्तार किया गया है।

उदयपुर के पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल ने बताया, आरोपियों को सुखेर पुलिस थाने की पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत गिरफ्तार किया। इन्हें बृहस्पतिवार को अदालत में पेश किया गया जहां से उन्हें चार दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, घटना गत शनिवार रात की है। जन्मदिन की पार्टी के बाद सभी मेहमान चले गए तो पीड़िता अकेली रह गई। पीड़िता ने आरोप लगाया कि उसे घर छोड़ने के बहाने कंपनी की महिला एग्जीक्यूटिव हेड ने उसे अपनी कार में बिठाया। महिला का पति और कंपनी का सीईओ भी कार में थे। तीनों महिला को घर छोड़ने के लिए निकले। आरोप है कि रास्ते में उन्होंने एक दुकान से सिगरेट जैसी कोई चीज खरीदी और महिला को दी। उसके इस्तेमाल के बाद वह बेहोश हो गई। पुलिस ने बताया कि अगली सुबह उसे यौन उत्पीड़न का अहसास हुआ और उसने पुलिस में शिकायत दर्ज कराने का फैसला किया। शिकायत के आधार पर तीन आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया और उन्हें गिरफ्तार किया गया। पीड़िता का मेडिकल मुआयना किया गया और बयान दर्ज किए गए।

उदयपुर संभाग में कई जगह कोहरा छाया रहा

जयपुर। राजस्थान में पिछले 24 घंटों के दौरान मौसम शुष्क रहा और इस दौरान उदयपुर संभाग में कहीं कहीं कोहरा दर्ज किया गया। मौसम केंद्र जयपुर ने शुक्रवार की सुबह यह जानकारी दी। इसके अनुसार, बीते चौबीस घंटे में राज्य में अधिकतम तापमान बाड़मेर में 28.4 डिग्री जबकि न्यूनतम तापमान करौली में 3.6 डिग्री सेल्सियस रहा। इस दौरान अधिकतर शहरों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा। यह सीकर के फतेहपुर में 4.6 डिग्री सेल्सियस, दौसा में 5.0 डिग्री, पाली और अंता में 5.2 डिग्री सेल्सियस रहा। राज्य की राजधानी जयपुर में न्यूनतम तापमान 10.4 डिग्री रहा।

स्कूलों में पढ़ाई जाएगी साहिबजादों के बलिदान की गौरव गाथा : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को 'वीर बाल दिवस' पर कहा कि गुरु गोविंद सिंह के साहिबजादों के बलिदान की गौरव गाथा प्राथमिक स्कूलों में पढ़ाई जाएगी। शर्मा वीर बाल दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश कार्यालय में प्रदर्शनी का अवलोकन कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि गुरु गोविंद सिंह के चारों साहिबजादों का बलिदान राष्ट्रप्रेम, धर्मरक्षा और मानव मूल्यों की अमर मिसाल है। उन्होंने विशेष रूप से छोटे साहिबजादे जोरावर सिंह और फतेह सिंह की शहादत को स्मरण करते हुए बताया कि किस प्रकार अल्पायु में भी उन्होंने अत्याचार के आगे झुकने से इनकार कर अपने धर्म और मूल्यों की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया।

उन्होंने कहा कि माता गुजरी जी के त्याग और साहस को भी प्रदर्शनी के माध्यम से प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। पार्टी के बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने यह घोषणा भी की कि साहिबजादों के बलिदान की गौरव गाथा को प्राथमिक शिक्षा के पाठ्यक्रम में सम्मिलित किया जाएगा ताकि आने वाली पीढ़ी को उनके बलिदान, इतिहास और गौरव गाथाओं से परिचित कराया जा सके।

यह प्रदर्शनी सिख धर्म के दसवें गुरु गुरु गोविंद सिंह के साहिबजादों जोरावर सिंह एवं फतेह सिंह के अद्वितीय बलिदान, त्याग और शहादत को समर्पित थी। प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्यमंत्री शर्मा और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने किया। इस अवसर पर राठौड़ ने अपने संबोधन में हिंदूसिख एकता पर बल देते हुए कहा कि दोनों धर्मों का मूल स्वरूप, मूल्य और राष्ट्रप्रेम की भावना समान है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि जब समाज धर्म या मजहब के आधार पर विभाजित होता है, तो राष्ट्र को गंभीर क्षति उठानी पड़ती है। उन्होंने विदेशी उदाहरणों विशेषकर बांग्लादेश का उल्लेख करते हुए राष्ट्रीय एकता, सामाजिक सौहार्द और सांप्रदायिक समरसता की आवश्यकता पर जोर दिया। राठौड़ ने कहा कि साहिबजादों की शहादत युवा पीढ़ी को यह संदेश देती है कि राष्ट्रसेवा और धर्मरक्षा उम्र की मोहताज नहीं होती।

अनिस्तारित संपत्तियों को लेकर जल्द नीति लाएगा राजस्थान आवासन मंडल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान आवासन मंडल मुख्यालय में शुक्रवार को मंडल की 253 वीं बोर्ड बैठक का आयोजन हुआ। नगरीय विकास विभाग के प्रमुख शासन सचिव एवं मंडल अध्यक्ष देबाशीष पृष्टी की अध्यक्षता में आयोजित हुई बैठक में अहम फैसलों का अनुमोदन हुआ। बैठक में मंडल अध्यक्ष द्वारा बुधवार नीलामी व प्रीमियम संपत्तियों की नीलामी को मिल रही सकारात्मक प्रतिक्रिया को आमजन का भरोसा बताया गया। पृष्टी ने बताया की मण्डल द्वारा नवम्बर माह में किये गये ऑक्शन से अलवर, जोधपुर एवं जयपुर में कुल 81 सम्पत्तियों से लगभग 317 करोड़ 82 लाख 52 हजार रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है। उन्होंने मिशन मोड में भूमि चिन्हांकन कर नई आवासीय योजनाएं शुरू करने और ड्रोन सर्वे के निर्देश भी दिए। इसी के साथ ही उन्होंने आरएफ़एसडीएल के माध्यम से मण्डल की कई वर्षों से शेष संपत्तियों की स्टडी करवाकर उनके समयबद्ध निस्तारण की पालिसी लाने के निर्देश भी दिये। बैठक में बोर्ड ऑफ़ डायरेक्टर एवं शासन सचिव, बजट राजन विशाल की उपस्थिति में विभिन्न आवासीय योजनाओं के विकास कार्यों के लिए प्रशासनिक व वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई। मण्डल अपनी सम्पत्तियों की रक्षा एवं अतिक्रमण की रोकथाम के लिए जल्द ही प्रवर्तन शाखा का गठन करने जा रहा है। जिसके प्रस्ताव का अनुमोदन मण्डल अध्यक्ष द्वारा बोर्ड बैठक में किया गया। इसके पश्चात प्रस्ताव वित्त विभाग को भेजा जाएगा। प्रवर्तन शाखा में विभिन्न पदों पर कुल 51 पुलिस कर्मी प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत होंगे आवासन आयुक्त डॉ. रश्मि शर्मा ने निर्णयों की त्वरित क्रियान्विति व लंबित कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने मण्डल की सम्पत्तियों का सीमाकंन कर साइनेज, फेंसिंग तथा आवश्यकतानुसार चारदीवारी करवा उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। बैठक में मण्डल के बोर्ड ऑफ़ डायरेक्टर राजन विशाल, मण्डल सचिव गोपाल सिंह, उप सचिव डॉ अशोक कुमार, मुख्य अभियंता अमित अग्रवाल, टीएस मीणा, प्रतीक श्रीवास्तव वित्तीय सलाहकार केसी कुमावत सहित अन्य उच्च अधिकारी उपस्थित रहे।

कुचामन में राज्य ओबीसी आयोग के अध्यक्ष ने किया जनसंवाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। शहरी स्थानीय निकायों एवं पंचायत राज संस्थाओं में राजनीतिक प्रतिनिधित्व के सम्बंध में राजस्थान राज्य अन्य पिछड़ा वर्ग (राजनीतिक प्रतिनिधित्व) आयोग राज्यभर में ओबीसी जनप्रतिधिनियों, आमजन और संस्थाओं के साथ संवाद कर फीडबैक ले रहा है। इसी कड़ी में शुक्रवार को डीडवानाकुचामन कलेक्ट्रेट में जिला स्तरीय जनसंवाद एवं परिचर्चा कार्यक्रम आयोजित किया।

कार्यक्रम में आयोग अध्यक्ष सेवानिवृत्त न्यायाधीश मदन लाल भाटी एवं सदस्य गोपाल कृष्ण ने जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों से जनसंवाद किया। कार्यक्रम में पूर्व जिला प्रमुख भागीरथ चौधरी, कुचामन नगर परिषद के सभापति नवीन सिखवाल, डीडवाना नगर परिषद की पूर्व सभापति श्रीमती रचना होलाणी, लाडनूं पार्षद श्रीमती सुमित्रा आर्य, डीडवाना उप प्रधान ओमप्रकाश लील, पंचायत प्रतिनिधि नरेंद्र सिंह कणवाई सहित जिले के विभिन्न शहरी निकायों व ग्रामीण क्षेत्र से आए जनप्रतिनिधि व नागरिक संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

आयोग के अध्यक्ष भाटी ने कहा कि आयोग जिला स्तर पर संवाद के माध्यम से अन्य पिछड़ा वर्ग को समुचित राजनीतिक प्रतिनिधित्व दिलाने के लिए फीडबैक लेकर रिपोर्ट तैयार करेगा जिससे ओबीसी वर्ग के लोगों को स्थानीय निकायों एवं पंचायतीराज संस्थाओं में पर्याप्त संख्या में राजनीतिक प्रतिनिधित्व मिल सकेगा। भाटी ने ओबीसी समुदाय के सामाजिक सशक्तीकरण पर जोर देते हुए कहा कि विश्लेषण के आधार पर उन्हें पर्याप्त राजनीतिक प्रतिनिधित्व देने का पूरा प्रयास किया जाएगा। इस हेतु आयोग पूर्व में राजस्थान के सभी संभाग मुख्यालयों पर जनसुनवाई कर चुका है।

भाटी ने आयोग के गठन एवं उद्देश्य के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि सर्वोच्च न्यायालय के दिशा निर्देशों की पालना में राजनीतिक प्रतिनिधित्व के लिये आयोग संवाद एवं सर्वे कर रहा है। आयोग द्वारा सर्वे के लिये स्वतंत्र संस्था के साथ मोबाइल एप से भी सहायता ली जाएगी जिससे सटीक जानकारी मिल सके। उन्होंने स्थानीय निकायों में राजनीतिक आरक्षण के संबंध में आयोग के कार्यालय, ईमेल या मेल के द्वारा अथवा व्यक्तिशः मिलकर सुझाव देने के बारे में भी अनुरोध किया।

जनसंवाद कार्यक्रम में जिले के राजनीतिक एवं सामाजिक प्रतिनिधियों ने सुझाव दिये। जनसंख्या के आधार पर ओबीसी का राजनीतिक प्रतिनिधित्व बढ़ाने का सुझाव दिया गया। इसके अलावा राजनीतिक, शैक्षणिक, पिछड़ापन जिलेवार अलग-अलग होने के कारण राजनीतिक प्रतिनिधित्व भी जिलेवार तय करने का सुझाव भी आया। इस दौरान उपखंड अधिकारी विकास मोहन भाटी,नगर परिषद आयुक्त भगवान सिंह,विकास अधिकारी श्रवणराम जाखड़ सहित सभी संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

साहिबजादे मजहबी कट्टरता के खिलाफ साहस की सर्वोच्च अभिव्यक्ति का प्रतीक हैं : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि दसवें सिख गुरु, गुरु गोबिंद सिंह के साहिबजादों (पुत्रों) का सर्वोच्च बलिदान क्रूर मुगल शासन के खिलाफ भारत के अदम्य साहस, शौर्य और वीरता की सर्वोच्च अभिव्यक्ति है।

वीर बाल दिवस के मौके पर साहिबजादे बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह की शहादत की याद में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि देश उन वीर सपूतों को याद कर रहा है जो भारत के अदम्य साहस, वीरता और शौर्य के शिखर का प्रतिनिधित्व करते हैं।

उन्होंने कहा, ''आज हम अपने राष्ट्र के गौरव, वीर साहिबजादों को याद करते हैं। वे भारत के अदम्य साहस और शौर्य के सर्वोच्च आदर्शों के प्रतीक हैं। उन वीर साहिबजादों ने उम्र और अवस्था की सीमाओं को तोड़ दिया। वे क्रूर मुगल शासन के खिलाफ चट्टान की तरह ऐसे खड़े रहे कि मजहबी कट्टरता और आतंक का वजूद ही हिल गया। जिस राष्ट्र के पास ऐसा गौरवशाली अतीत हो, जिसकी युवा पीढ़ी को ऐसी प्रेरणाएं विरासत में मिली हों, वह राष्ट्र क्या कुछ नहीं कर सकता है।''

प्रधानमंत्री ने कहा कि साहिबजादों की उम्र उस समय काफी कम थी, लेकिन मुगल सम्राट औरंगजेब की क्रूरता पर इसका कोई असर नहीं पड़ा। उन्होंने कहा, ''औरंगजेब जानता था कि यदि वह भारत की जनता में भय उत्पन्न करना चाहता है और उन्हें धर्मांतरण के लिए मजबूर करना चाहता है, तो उसे सबसे पहले भारतीयों का मनोबल तोड़ना होगा। इसीलिए उसने साहिबजादों को अपना निशाना बनाया। लेकिन औरंगजेब और उसके सिपहसालार यह भूल गए थे कि हमारे गुरु साधारण मनुष्य नहीं थे। वे तपस्या और त्याग के साक्षात अवतार थे।''

मोदी ने कहा कि माता गुजरी जी, श्री गुरु गोबिंद सिंह जी और चारों साहिबजादों का साहस और आदर्श प्रत्येक भारतीय को शक्ति प्रदान करते रहते हैं। उन्होंने कहा, ''साहिबजादा अजीत सिंह जी, साहिबजादा जुझार सिंह जी, साहिबजादा जोरावर सिंह जी और साहिबजादा फतेह सिंह जी को बहुत कम उम्र में ही उस समय की सबसे बड़ी सत्ता से टकराना पड़ा था। यह संघर्ष महज सत्ता के लिए नहीं था, बल्कि भारत के मूल विचारों और मजहबी कट्टरता के बीच टकराव था। यह सत्य और असत्य की लड़ाई थी।''

गोरखपुर में स्कूल परिसर में 11वीं कक्षा के छात्र की गोली मारकर हत्या, क्षेत्र में तनाव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर (उप्र)/भाषा। गोरखपुर जिले के पिपराइच थाना क्षेत्र में शुक्रवार दोपहर 11वीं कक्षा के एक छात्र की स्कूल परिसर में गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। इस घटना को लेकर हिंसक प्रदर्शन हुए और कानून-व्यवस्था को लेकर गंभीर स्थिति उत्पन्न हो गई। पुलिस के मुताबिक घटना दोपहर करीब एक बजे कोऑपरेटिव इंटर कॉलेज के खेल के मैदान में हुई, जहां कथित तौर पर विवाद के दौरान 11वीं कक्षा के छात्र सुधीर भारती को गोली मार दी गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, भारती खेल के मैदान में मौजूद था और कुछ बच्चों को मोटरसाइकिल चलाना सिखा रहा था, तभी मोहल्ले की पुरानी दुश्मनी को लेकर कहासुनी हो गई। उन्होंने कहा कि कहासुनी के दौरान, आरोपी ने कथित तौर पर देसी पिस्तौल से गोली चलाई, जो सुधीर को लगी। प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि वह खून से लथपथ होकर गिर पड़ा और घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। उन्होंने कहा कि स्कूल परिसर में दिनदहाड़े हुई इस हत्या से छात्रों और शिक्षकों में आक्रोश फैल गया, जिसके चलते अधिकारियों को एहतियात के तौर पर स्कूल बंद करना पड़ा। तनाव के दौरान पुलिस ने मुख्य आरोपी को हिरासत में ले लिया, जिससे तनाव और बढ़ गया। प्रदर्शनकारियों ने गिरफ्तारी के तरीके का विरोध किया और परिवार के कुछ सदस्य विरोध प्रदर्शन करते हुए पुलिस वाहनों के सामने लेट गए। बताया जाता है कि आरोपी की मां राजकुमारी को भी उत्तेजित भीड़ ने घेर लिया जिससे और अधिक हंगामा हुआ।

गाजियाबाद में दिनदहाड़े गोली मारकर वायुसेना के पूर्व कर्मी की हत्या

गाजियाबाद (उप्र)/भाषा। गाजियाबाद जिले के लोनी थाना अंतर्गत अशोक विहार कालोनी के निकट शुक्रवार दोपहर दो व्यक्तियों ने वायुसेना के एक सेवानिवृत्त कर्मी की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। लोनी के एसीपी सिद्धार्थ गौतम ने कहा कि मृतक की पहचान बागपत के निवासी योगेश (58) के रूप में हुई है, वह अपने परिवार के साथ अशोक विहार कॉलोनी में रहते थे। पुलिस के मुताबिक, योगेश महज तीन महीने पहले भारतीय वायुसेना से सेवानिवृत्त हुए थे, उनके परिवार में पत्नी, दो बेटे और एक बेटी है। पुलिस ने कहा कि वह बाजार से पैदल अपने घर जा रहे थे, तभी मोटरसाइकिल सवार दो बदमाश उनके पास आए और विवाद शुरू हो गया। पुलिस के अनुसार बदमाशों ने योगेश की पिटाई की और फिर सिर में गोली मारकर फरार हो गए। पुलिस ने बताया कि गोली लगने से मौके पर ही योगेश की मृत्यु हो गई, जिसके बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा दिया गया।

बीजू जनता दल अगले 100 वर्षों तक ओडिशा के लोगों की सेवा करता रहेगा : पटनायक

भुवनेश्वर/भाषा। बीजू जनता दल (बीजद) के अध्यक्ष नवीन पटनायक ने शुक्रवार को दावा किया कि उनकी पार्टी अगले 100 वर्षों तक ओडिशा के लोगों की सेवा करती रहेगी। पटनायक ने बीजद के 29वें स्थापना दिवस के अवसर पर पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए यह बात कही। बीजू जनता दल का गठन 26 दिसंबर, 1997 को हुआ था और इसका नाम ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं नवीन पटनायक के पिता बीजू पटनायक के नाम पर रखा गया है। नवीन पटनायक ने पार्टी कार्यकर्ताओं से धैर्य रखने और जनसेवा को प्राथमिकता देने का आग्रह किया। पूर्व में पांच बार ओडिशा के मुख्यमंत्री रहे पटनायक ने कहा, राजनीति में धैर्य बहुत महत्वपूर्ण है। मुझे अपने लाखों पार्टी कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत और प्रतिबद्धता पर पूरा भरोसा है। इसलिए, सभी को वर्तमान चुनौतियों को अवसरों में बदलकर एक मजबूत ओडिशा के निर्माण की दिशा में काम करना चाहिए। पटनायक ने पार्टी के भविष्य को लेकर कुछ वर्गों द्वारा किए जा रहे दुष्प्रचार को सिरे से खारिज कर दिया।

ओडिशा के भद्रक में एक और नाबालिग लड़की से बलात्कार, पीड़िता ने आत्महत्या का प्रयास किया

भद्रक (ओडिशा)/भाषा। ओडिशा के भद्रक जिले में एक नाबालिग लड़की के साथ उसके घर में 26 वर्षीय एक व्यक्ति ने कथित तौर पर बलात्कार किया, जिसके बाद पीड़िता ने जहर खाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया और उसे गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। यह घटना उसी जिले के चांदबाली इलाके में हाल ही में हुई 10 वर्षीय बच्ची के बलात्कार और हत्या को लेकर व्यापक आक्रोश के बीच हुई है। इन दोनों मामलों के संबंध में एक-एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। धामनगर थाने में दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, 17 दिसंबर की शाम को नाबालिग लड़की घर में अकेली खाना बना रही थी। आरोपी ने कथित तौर पर लड़की का मुंह उसके ही दुपट्टे से बांध दिया और उसके साथ बलात्कार किया।

बिहार में उर्वरकों की कालाबाजारी व जमाखोरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी : पंकज कुमार

पटना/भाषा। बिहार कृषि विभाग के प्रधान सचिव पंकज कुमार ने शुक्रवार को कहा कि राज्य में उर्वरकों की कालाबाजारी, जमाखोरी और अवैध भंडारण को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसानों को समय पर और उचित मूल्य पर उर्वरक उपलब्ध कराना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रधान सचिव ने बताया कि उर्वरकों की कालाबाजारी पर प्रभावी नियंत्रण के लिए कृषि विभाग जिला प्रशासन और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के साथ समन्वय स्थापित कर लगातार छापेमारी अभियान चला रहा है। इसके अलावा मुख्यालय स्तर से गठित उड़नदस्ता (फ्लाइंग स्क्वॉड) के दल नियमित रूप से विभिन्न जिलों और प्रखंडों में उर्वरक प्रतिष्ठानों, गोदामों और संदिग्ध स्थलों की सघन जांच कर रहे हैं। कुमार ने कहा कि इसी क्रम में पूर्वी चंपारण जिले के बनकटवा प्रखंड अंतर्गत रेगनिया और अगरवा गांव में अवैध उर्वरक भंडारण की सूचना पर संयुक्त छापेमारी की गई।

अधिकारी ने कहा कि छापेमारी के दौरान विभिन्न प्रतिष्ठानों और निजी आवासों से बड़े पैमाने पर उर्वरकों की अवैध जमाखोरी का खुलासा हुआ। अधिकारियों के अनुसार, रेगनिया में स्थित आकाश फर्टिलाइजर्स के गोदाम से 81 बैग यूरिया तथा जावेद खाद भंडार के गोदाम से 370 बैग यूरिया जब्त किए गए।

राबड़ी देवी का सरकारी बंगला खाली करना राजनीति नहीं, कानून का पालन है : नीरज कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। जनता दल (यूनाइटेड) के मुख्य प्रवक्ता एवं विधान परिषद सदस्य नीरज कुमार ने यहां 10 सर्कुलर रोड स्थित पूर्व मुख्यमंत्री एवं विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष राबड़ी देवी के सरकारी बंगले को खाली करने की प्रक्रिया को लेकर शुक्रवार को कहा कि यह कोई राजनीति नहीं, बल्कि कानून का पालन है।

नीरज कुमार ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष होने के नाते राबड़ी देवी के नाम पहले से ही केंद्रीय पूल का एक सरकारी आवास आवंटित है। इसके बावजूद पुराने सरकारी बंगले को खाली न करना सरकारी संसाधनों का खुला दुरुपयोग है। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा, राबड़ी जी, आपको संपत्तियों की कोई कमी नहीं हैकौटिल्य नगर या महुआ बाग में रहिए, लेकिन सरकारी बंगले पर कब्जा छोड़िए।

जद(यू) नेता ने कहा कि कानून सभी के लिए समान है और पद या राजनीति के नाम पर सरकारी संपत्तियों पर अनावश्यक कब्जा बनाए रखने को उचित नहीं ठहराया जा सकता। बृहस्पतिवार देर रात एक पिकअप वैन के जरिए राबड़ी देवी के सरकारी बंगले के परिसर से पेड़-पौधों सहित अन्य घरेलू सामान बाहर निकाले जाने की खबर सामने आई। हालांकि, यह सामान कहां ले जाया जा रहा है, इस संबंध में वहां मौजूद लोगों ने कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी। बिहार सरकार के भवन निर्माण विभाग ने 25 नवंबर 2025 को पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी को 10 सर्कुलर रोड स्थित बंगला खाली करने का नोटिस दिया था।

सिख गुरुओं का इतिहास भक्ति और वीरता का अनूठा संगम है : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'वीर बाल दिवस' के मौके पर कहा कि सिख गुरुओं का इतिहास भक्ति और वीरता का एक अनोखा एवं शानदार संगम है।

सिख गुरुओं के बलिदान को याद करते हुए, आदित्यनाथ ने कहा कि मुगल शासक औरंगजेब ने गुरु तेग बहादुर को चुनौती देकर गलती की, क्योंकि आज कोई भी औरंगज़ेब का नाम नहीं लेता, लेकिन 140 करोड़ लोग सिख गुरुओं के आभारी हैं।'' उन्होंने यह बात हर साल 26 दिसंबर को मनाए जाने वाले 'वीर बाल दिवस' के मौके पर आयोजित 'कीर्तन समागम' को संबोधित करते हुए कही। यहां कालिदास मार्ग पर स्थित मुख्यमंत्री सरकारी आवास पर हुए इस कार्यक्रम में साहिब श्री गुरु तेग बहादुर की 350वीं शहादत वर्षगांठ भी मनाई गई। एक आधिकारिक बयान में मुख्यमंत्री के हवाले से कहा गया है, ''भारत में सिख गुरुओं का इतिहास भक्ति एवं शक्ति की असाधारण चमक का है।'' उन्होंने कहा कि गुरु नानक देव ने भक्ति की पराकाष्ठा को अपनाया और ऐसे समय में मानवता के लिए काम किया जब संसाधन बहुत सीमित थे।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''साधनों की कमी के बावजूद, उन्होंने ज्ञान प्राप्त करने के लिए आध्यात्मिक अनुशासन की शक्ति का प्रदर्शन किया और पाखंड के खिलाफ आवाज़ उठाई।'' मुगल शासकों की आलोचना करते हुए योगी ने कहा, ''जहांगीर ने गुरु अर्जनदेव पर बर्बरता की लेकिन वह गुरु तेगबहादुर के तेज के सामने वह चल नहीं पाया। उन्होंने कहा, गुरुओं का बलिदान देश और धर्म के लिए था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 26 दिसंबर को 'वीर बाल दिवस' के रूप में मनाना देश को चार 'साहिबजादों' के बलिदान और शहादत के प्रति सम्मान व्यक्त करने का अवसर देता है। 'साहिबजादों' से मतलब गुरु गोबिंद सिंह के बेटों – अजीत सिंह, जुझार सिंह, जोरावर सिंह और फतेह सिंह – से है। योगी ने अपने आधिकारिक 'एक्स' हैंडल पर पर एक पोस्ट में कहा जो बोले सो निहाल! सत् श्री अकाल! उन्होंने कहा, ''जब हम स्वदेश और स्वधर्म को प्राथमिकता देते हैं, तब वह हमारी गति को प्रगति की तरफ लेकर जाता है। सिख गुरुजनों का इतिहास इसी प्रगति का प्रमाण है।''

ओडिशा में स्कूली छात्र-छात्राओं के लिए मुफ्त बस यात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा सरकार मुख्यमंत्री बस सेवा (एमबीएस) योजना के तहत सरकारी बसों में स्कूली विद्यार्थियों को मुफ्त यात्रा की सुविधा प्रदान करेगी।

इस कदम का मकसद स्कूल छोड़ने वाले विद्यार्थियों की संख्या में कमी लाना है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

राज्य परिवहन विभाग की 24 दिसंबर की एक अधिसूचना में कहा गया है कि यह प्रावधान उस योजना का स्थान लेगा जिसके तहत वातानुकूलित (एसी) और गैर एसी दोनों तरह की बस सेवाओं के लिए विद्यार्थियों को पहले से ही किराए में 50 प्रतिशत की छूट दी जा रही थी।

अधिसूचना में कहा गया है, ''स्कूलों तक पहुंच में सुधार करने और दूरी के कारण पढ़ाई छोड़ने वाले विद्यार्थियों की संख्या में कमी लाने के लिए एमबीएस योजना के तहत विद्यार्थियों को मुफ्त बस यात्रा की सुविधा दी जाएगी, जो पहले अधिसूचित गैर-एसी और एसी बस सेवाओं में विद्यार्थियों के लिए टिकट किराए में 50 प्रतिशत की छूट की जगह लेगी।''

अधिसूचना के अनुसार, सभी स्कूली छात्र-छात्राओं को वैध विद्यार्थी पहचान पत्र दिखाने या स्कूल की वर्दी में होने पर इलेक्ट्रॉनिक टिकट इश्यू मशीन (ईटीआईएम) से जीरो टिकट जारी किया जाएगा।

यह फैसला अगस्त में मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी की अध्यक्षता में हुई एक उच्च स्तरीय बैठक में लिया गया था। ओडिशा राज्य सड़क परिवहन निगम को 'सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन' में जरूरी बदलाव करने के लिए कहा गया है।

मणिपुर: 40 करोड़ रुपए की नशीली दवाएं जब्त, एक गिरफ्तार

इंफाल/भाषा। असम राइफल्स और मणिपुर पुलिस ने एक संयुक्त अभियान में जिरिबाम जिले से करीब 40 करोड़ रुपए मूल्य की प्रतिबंधित 'याबा' टैबलेट जब्त की हैं। अर्धसैनिक बल ने शुक्रवार को बताया कि इस मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है।

थाई भाषा में 'क्रेजी मेडिसिन' के नाम से मशहूर 'याबा' मेथामफेटामाइन और कैफीन का एक घातक मिश्रण है।

अर्धसैनिक बल द्वारा जारी एक बयान में बताया गया कि जिरिबाम में 24 दिसंबर को संचालित अभियान के दौरान 40 करोड़ रुपए अनुमानित मूल्य की 1,60,000 याबा टैबलेट बरामद की गईं।

मनमोहन के नेतृत्व में अर्थव्यवस्था सशक्त हुई, विश्व मंच पर भारत को नई पहचान मिली : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और पार्टी के कई अन्य नेताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की पुण्यतिथि पर शुक्रवार को उन्हें श्रद्धांजलि दी और कहा कि उनके दूरदर्शी नेतृत्व से भारत आर्थिक रूप से सशक्त हुआ तथा उनके साहसिक निर्णयों ने भारत को विश्व मंच पर एक नई पहचान दिलाई।

राहुल गांधी ने यहां '24 अकबर रोड' स्थित कांग्रेस कार्यालय में मनमोहन सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

सिंह का जन्म 26 सितंबर, 1932 को पंजाब के गाह गांव में हुआ था जो अब पाकिस्तान का हिस्सा है। सिंह 2004 से 2014 तक प्रधानमंत्री रहे। 26 दिसंबर, 2024 को उनका निधन हो गया था। खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की पहली पुण्यतिथि पर, हम राष्ट्र निर्माण में उनके अपार योगदान को पूरे सम्मान के साथ याद करते हैं। एक परिवर्तनकारी नेता के रूप में उन्होंने देश के आर्थिक पथ को नया आकार दिया, आर्थिक सुधारों के माध्यम से लाखों लोगों के लिए अवसरों का विस्तार किया और लाखों लोगों को गरीबी से बाहर निकाला। उन्होंने कहा, अपनी विनम्रता, ईमानदारी और बुद्धिमत्ता के लिए जाने जाने वाले सिंह ने गरिमा और करुणा के साथ देश का नेतृत्व किया। उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि प्रगति समावेशी रहे और कल्याणकारी कदमों का लाभ सर्वाधिक जरूरतमंद लोगों तक पहुंचे। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, हमने उनके दृष्टिकोण के तहत एक मजबूत भारत का निर्माण किया था। हम ऐसे राजनेता को अपनी गहरी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं जिनकी ईमानदार सार्वजनिक सेवा और स्थायी सुधारों की विरासत पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी।

राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि। अपने दूरदर्शी नेतृत्व से उन्होंने भारत को आर्थिक रूप से सशक्त किया। देश के वंचितों और गरीबों के लिए उनके ऐतिहासिक प्रयासों और साहसिक निर्णयों ने भारत को विश्व मंच पर एक नई पहचान दिलाई। उन्होंने कहा कि मनमोहन सिंह की विनम्रता, कर्मठता और ईमानदारी हम सभी के लिए सदैव प्रेरणादायी रहेगी। कांग्रेस ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट किया, डॉ. मनमोहन सिंह की पुण्य तिथि पर, हम सत्यनिष्ठा, विनम्रता और दूरदर्शिता वाले राजनेता को याद करते हैं।

कोहली, पंत की अर्धशतकीय पारियों से दिल्ली ने गुजरात को सात रन से हराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। विराट कोहली और ऋषभ पंत के शानदार अर्धशतकों के दम पर दिल्ली ने विजय हजारे ट्रॉफी के एलीट ग्रुप डी के मैच में शुक्रवार को गुजरात पर सात रन की रोमांचक जीत दर्ज की।

गुजरात की टीम लक्ष्य का पीछा करते समय अच्छी स्थिति में थी लेकिन उनके बल्लेबाजों के गैर जिम्मेदाराना रवैये के कारण टीम को मैच गंवाना पड़ा। 'प्लेयर ऑफ द मैच' कोहली (61 गेंद में 77) और पंत (79 गेंद में 70 रन) ने दिल्ली को 50 ओवर में नौ विकेट पर 254 रन के सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। गुजरात की टीम 47.4 ओवर में 247 रन पर आउट हो गई। कोहली और पंत दोनों की बल्लेबाजी उनके नैसर्गिक खेल से अलग दिखी। कोहली ने जहां आक्रामक बल्लेबाजी की वहीं पंत ने बड़े शॉट खेलने पर दौड़कर रन चुराने को तरजीह दी। प्रियांश आर्य के आउट होने के बाद क्रीज पर आये कोहली ने चिंतन गाजा के खिलाफ शानदार ड्राइव कर चार रन बटोरे। एक छोर से जहां दिल्ली के बल्लेबाज जहां संघर्ष कर रहे थे वहीं दूसरी छोर से कोहली बेखौफ बल्लेबाजी कर रहे थे। उन्होंने गाजा के खिलाफ पुल शॉट पर छह रन बटोरने के बाद अर्जुन नगवासवाला के खिलाफ फ्लिक शॉट पर छक्का जड़ा। उन्होंने रवि बिश्नोई के खिलाफ कवर क्षेत्र में शानदार चौके के साथ लिस्ट ए क्रिकेट में अपना 85वां अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने 29 गेंद में 10 चौके और एक छक्का की मदद से अपना पचासा पूरा किया। बायें हाथ के स्पिनर विशाल जायसवाल (42 रन पर चार विकेट) ने उनकी पारी का अंत कर लगातार दूसरा शतक पूरा करने से रोक दिया। जायसवाल ने कोहली से पहले नीतीश राणा (12) और अर्पित राणा (10) को भी चलता किया। कोहली जब आउट हुए तब टीम का स्कोर चार विकेट पर 108 रन था। पंत ने इसके बाद जोखिम लेने से बचते हुए बल्लेबाजी की। उन्होंने 64 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया।

पंत ने हर्ष त्यागी (40) के साथ 73 रन की साझेदारी कर दिल्ली की पारी को स्थिरता दी सिमरजीत सिंह और इशांत शर्मा ने आखिरी विकेट के लिए 19 रन जोड़ कर दिल्ली को 250 रन के पार पहुंचाया। आर्यन देसाई (57) के अर्धशतक से गुजरात ने लक्ष्य का पीछा करते हुए मजबूत शुरुआत की। देसाई ने पहले विकेट के लिए उर्विल पटेल (31) के साथ 67 और दूसरे विकेट के लिए अभिषेक देसाई के साथ 54 रन की साझेदारी की। टीम ने एक विकेट पर 121 रन के स्कोर के बाद 23 रन के अंदर आर्यन, अभिषेक, जयमीत पटेल और हेमांग पटेल के विकेट गंवा दिया। सौरव चौहान (49) ने इसके बाद छठे विकेट के लिए जायसवाल के साथ 69 रन की साझेदारी कर गुजरात को मैच में बनाये रखा। सिमरजीत सिंह ने चौहान को आउट किया जिसके बाद टीम ने एक बाद लगातार अंतराल पर विकेट गंवा दिए। ग्रुप के अन्य मैचों में सेना को महज 83 रन पर आउट करने के बाद ओडिशा ने चार विकेट से जीत दर्ज की।

सुविचार

इस दुनिया में कोई भी पूरी तरह से सही नहीं है इसलिए लोगों की अच्छाइयों को देखकर उनके साथ अच्छे रिश्ते बनाएं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अखबार से बच्चों का बौद्धिक विकास

उत्तर प्रदेश सरकार ने सभी प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों में अखबार पढ़ना अनिवार्य करने संबंधी फैसला लेकर सराहनीय कदम उठाया है। इससे विद्यार्थियों को कई फायदे होंगे। देश के हर स्कूल में प्रार्थना सभा के दौरान कुछ समय अखबार पढ़ने के लिए निर्धारित होना चाहिए। आज जब डिजिटल माध्यमों पर हद से ज्यादा निर्भरता बढ़ गई है और फेक न्यूज का तेजी से प्रचार-प्रसार हो रहा है, तब अखबार ही जागरूकता का सबसे बड़ा जरिया है। जो बच्चे रोजाना अखबार पढ़ते हैं, उनका शब्दज्ञान बेहतर हो जाता है। उनमें पढ़ने की आदत तो विकसित होती ही है, वे अपने विचारों को अधिक कुशलतापूर्वक अभिव्यक्त कर पाते हैं। ऐसे विद्यार्थी एकाग्रचित्त होकर अध्ययन कर पाते हैं। परीक्षा में उत्तर लिखते समय इसका फायदा होता है। प्राय: ऐसे प्रयासों को यह कहकर खारिज किया जाता है कि 'स्कूली बच्चों का खबरों की दुनिया से कोई लेना-देना नहीं होता, लिहाजा उन्हें सिर्फ पाठ्यपुस्तकें पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।' वास्तव में यह धारणा सही नहीं है। भले ही अखबारों में छपने वाली खबरों का स्कूली पढ़ाई और परीक्षाओं से ज्यादा संबंध न हो, लेकिन उन्हें पढ़ने-सुनने से विद्यार्थियों के सोचने-समझने का नजरिया बदलता है। चाहे उन्हें शुरुआत में कई खबरें समझ में न आएं। एक समय ऐसा आएगा, जब वे खबरों में रुचि लेने लगेंगे। उनकी समझ बढ़ेगी। आज स्कूलों में कई बच्चे ऐसे हैं, जिन्हें फिल्मी सितारों के बारे में तो बहुत कुछ मालूम है। वे देश के प्रमुख पदों पर सेवारत लोगों के नाम नहीं जानते।

ये बच्चे जब भविष्य में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं तो बहुत मुश्किलों का सामना करते हैं। इन्हें सामान्य ज्ञान और समसामयिक घटनाओं के बारे में कई किताबें पढ़नी पड़ती हैं। इसमें काफी समय लगता है। स्कूलों में अखबार पढ़ना अनिवार्य कर देने से इन बच्चों का भला हो जाएगा। कई लोग कहते हैं- 'बच्चे स्कूलों में अखबार पढ़ेंगे तो बाकी पढ़ाई कब करेंगे? क्या इससे कक्षाओं के कालांश बाधित नहीं होंगे?' ऐसी आशंकाएं निराधार हैं। प्रार्थना सभा में अखबार की बड़ी खबरें पढ़ने में 10 मिनट से ज्यादा समय नहीं लगेगा। अगर कोई ऐसी खबर है, जिससे सामान्य ज्ञान आदि का प्रश्न बनाया जा सकता है तो उसे स्कूल के नोटिस बोर्ड पर लिखा जा सकता है। बाद में, बच्चे वहां से अपनी नोटबुक में लिख सकते हैं। इससे उनके पास कुछ ही दिनों में महत्त्वपूर्ण जानकारी का भंडार हो जाएगा। शनिवार को छुट्टी से पहले और विशेष अवसरों पर इन प्रश्नों पर आधारित प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा सकता है। उनमें विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत करने से उनका उत्साह बढ़ेगा। ये बच्चे फेक न्यूज और साइबर ठगी से लड़ने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। असली खबर क्या है, अफवाह क्या है, साइबर ठग कैसे लोगों को शिकार बना रहे हैं - इन सवालों के जवाब इन्हें अखबारों से मिल जाएंगे। हाल के वर्षों में आईएएस, आईपीएस, सेना के वरिष्ठ अधिकारियों से लेकर डॉक्टर, इंजीनियर, वकील और वैज्ञानिक तक साइबर ठगों के शिकार बन गए, क्योंकि उन्हें पता ही नहीं था कि बदलते दौर के साथ अपराधों के तौर-तरीके बदल रहे हैं। अगर वे रोजाना अखबार पढ़ते तो उन्हें इस बात की जानकारी होती। पांच रुपए का अखबार और उसे पढ़ने के लिए दिया गया समय, ऐसा निवेश है जो भविष्य में आपके करोड़ों रुपए बचा सकता है। किशोर हों या बुजुर्ग, अखबार पढ़ने को अपनी दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा बनाएं।

ट्वीटर टॉक

आज सचिवालय स्थित कार्यालय में दक्षिण-पश्चिमी कमांड मुख्यालय के आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल श्री मनजिंदर सिंह जी से शिष्टाचार भेंट हुई। इस अवसर पर उन्होंने सेना दिवस परेड हेतु आमंत्रित किया।

-दिया कुमारी

त्रिपुरा विधानसभा के अध्यक्ष श्री बिस्व बंधु सेन जी के निधन का समाचार अत्यंत दु:खद है। उनका जनता के प्रति समर्पण, समाज सेवा और विकास के क्षेत्र में योगदान सदा याद किए जाएंगे। इस शोक की घड़ी में मेरी संवेदनाएँ उनके परिवारजनों एवं समस्त शुभचिंतकों के साथ हैं।

-वसुंधरा राजे

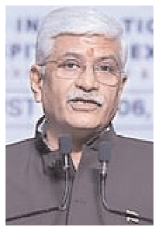

जोधपुर प्रान्त का 61वाँ अधिवेशन बीकानेर में आरम्भ हुआ। 28 दिसंबर तक चलने वाले इस अधिवेशन में सहभागी होकर अपने अभाविप के दिनों की स्मृतियाँ ताज़ा हो गईं। युवा साथियों से संवाद के माध्यम से उनकी ऊर्जा, विचार और संकल्प का अनुभव हुआ।

-गजेन्द्रसिंह शेखावत

प्रेरक प्रसंग

जिम्मेदारी से बदलाव

एक बार विनोबा भावे भूदान आंदोलन के दौरान एक गांव में थे। एक महिला ने विनोबा जी के पास जाकर अपने जिद्दी पुत्र के बारे में सलाह मांगी। विनोबा जी ने कहा, 'कल से शिविर में भेज दो।' महिला ने बेटे से बस एक दिन शिविर देखकर आने की बात कही। बेटा उत्सुक होकर शिविर में चला गया। विनोबा जी ने उसे उसी समय दो-तीन घंटे के लिए कुछ खास जिम्मेदारी सौंप दी। युवक को अपनी तवज्जो बहुत अच्छी लगी, और जब उसने जिम्मेदारी निभा दी। विनोबा जी ने उसकी भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए आग्रह किया, 'बेटा, आप बहुत योग्य हो, सात दिन यहीं रुक जाओ।' युवक को यह मनुहार भी बहुत आत्मीय लगी, और वह सात दिन वहां ठहर गया। सात दिन बाद विनोबा जी के पास महिला आई। उसने देखा कि बेटा किसी से आहिस्ता-आहिस्ता बात कर रहा था। वह गुपचुप सुनने लगी और चौंक गई, जब बेटा किसी को सलाह देते हुए कह रहा था, 'देखो, मानव जीवन बहुमूल्य है, सजग और सतर्क रहकर दायित्व निर्वहन करो, यही सर्वोत्तम मार्ग है।' बेटे में इतना सकारात्मक सुधार देखकर वह अचंभित रह गई।

सामयिक

अरावली पहाड़ियों का मसला अब सुप्रीम कोर्ट में

अशोक भाटिया
मोबाइल : 9221232130

सुप्रीम कोर्ट ने अरावली पहाड़ियों की 'परिभाषा' और उससे जुड़े 100 मीटर के फॉर्मूले वाले विवाद के खिलाफ याचिका मंजूर कर ली है। यह याचिका हरियाणा के रिटायर्ड वन अधिकारी आरपी बलवान ने दायर की है। कोर्ट ने 17 दिसंबर को अपने आदेश में केंद्र सरकार, हरियाणा और राजस्थान सरकारों तथा पर्यावरण मंत्रालय (चेएत्रउउ) से इस याचिका पर जवाब मांगा है।यह मामला पुराने टीएन गोदावरमन थिरुमुलपाद बनाम यूनियन ऑफ इंडिया केस से जुड़ा है, जिसमें 1996 में सुप्रीम कोर्ट ने 'वन' की व्यापक परिभाषा दी थी। नवंबर 2025 में कोर्ट ने पर्यावरण मंत्रालय की कमेटी की सिफारिश को मानते हुए अरावली पहाड़ियों की एक समान परिभाषा तय की थी। इसके तहत स्थानीय स्तर से 100 मीटर या उससे ज्यादा ऊंची पहाड़ियां ही अरावली मानी जाएंगी, साथ ही उनकी ढलान और आसपास की जमीन भी इसी दायरे में आएंगी। लेकिन याचिकाकर्ता का कहना है कि इससे 100 मीटर से कम ऊंची पहाड़ियां सुरक्षा से बाहर हो जाएंगी, जिससे पर्यावरण को बड़ा नुकसान होगा।आरपी बलवान ने कहा कि अरावली श्रृंखला गुजरात से दिल्ली तक फैली है और थार रेगिस्तान को रोकने वाली दीवार की तरह काम करती है। 100 मीटर का नियम अपनाने से इसकी बड़ी हिस्सेदारी कानूनी सुरक्षा खो देगी। उन्होंने मंत्रालय के हलफनामे में विरोधाभास भी बताया और कहा कि यह सिर्फ तकनीकी मुद्दा नहीं, बल्कि राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली और पूरे उत्तर-पश्चिम भारत के पर्यावरण पर असर डालेगा। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि 100 मीटर नियम पर विरोध गलतफहमी पर आधारित है। जब तक टिकाऊ खनन की योजना तैयार नहीं हो जाती, तब तक कोई नया खनन पट्टा नहीं दिया जाएगा। मंत्रालय का कहना है कि यह परिभाषा राजस्थान में 2006 से लागू है और इससे ज्यादातर क्षेत्र सुरक्षित रहेगा। कोर्ट ने पहले गुरुग्राम, फरीदाबाद और नूंह जैसे इलाकों में अरावली में खनन पर सख्त रोक लगाई है, क्योंकि अनियंत्रित खनन से बेहद नुकसान होता है।यह याचिका ऐसे समय आई है जब अरावली संरक्षण को लेकर बहस चल रही है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि सही परिभाषा से ही इस प्राचीन श्रृंखला की रक्षा हो सकेगी। कोर्ट अब सभी पक्षों के जवाब के बाद आगे सुनवाई करेगा।

'अरावली पहाड़ियों को खनन के लिए तब ही माना जाएगा जब वे स्थानीय जमीन से 100 मीटर या ज्यादा ऊंची हों, साथ ही उनकी ढलान और आसपास की जमीन भी शामिल हों।नवंबर 2025 में सुप्रीम कोर्ट ने पर्यावरण मंत्रालय की कमेटी की सिफारिश को एक समान परिभाषा के रूप में स्वीकार किया था।हरियाणा के रिटायर्ड वन संरक्षक आरपी बलवान ने याचिका दायर की, जो कहते हैं कि इससे कम ऊंची पहाड़ियां सुरक्षा से बाहर हो जाएंगी।17 दिसंबर 2025 को याचिका स्वीकार की और केंद्र, हरियाणा, राजस्थान सरकारों और मंत्रालय से जवाब मांगा है।100 मीटर से कम पहाड़ियां अरावली का हिस्सा न मानने से बड़ा पर्यावरणीय नुकसान होगा, रेगिस्तान फैलेगा और पानी की समस्या बढ़ेगी।केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव कहते हैं कि विरोध गलतफहमी है, कोई छूट नहीं दी गई और ज्यादातर क्षेत्र सुरक्षित है। नया खनन पट्टा नहीं होगा।यह गुजरात से दिल्ली तक फैली प्राचीन श्रृंखला है, जो थार रेगिस्तान को रोकती है और पानी रिचार्ज करती है।यह 1996 के टीएन गोदावरमन केस से जुड़ा है, जिसमें वन की व्यापक परिभाषा दी गई थी।कोर्ट ने पहले कई इलाकों में खनन बैन किया है, क्योंकि इससे बहुत ज्यादा नुकसान होता है, जिसकी भरपाई नहीं हो सकती है। गौरतलब है कि क्या किसी जैविक इकाई की उपयोगिता या अस्तित्व का आकलन उसकी शारीरिक ऊंचाई या आकार के आधार पर करना बुद्धिमानी होगी? तो सिर्फ इसलिए कि अशोक का पेड़ एक निश्चित ऊंचाई का नहीं है, क्या इसका वध किया जाना चाहिए क्योंकि यह 'अशोक' नहीं है, यह एक झाड़ी है? यदि अजगर की लंबाई छोटी है, तो क्या उसे कीड़ा माना जाना चाहिए, अजगर नहीं? चूंकि नदी की लंबाई/चौड़ाई विशिष्ट नहीं है, इसलिए क्या इसे तीस नालों के रूप में सूखने दिया जाना चाहिए? यदि किसी कारण से तालाब में पानी की कमी हो रही है, तो क्या इसे एक खुले मैदान के रूप में माना जाना चाहिए, न कि एक झील के रूप में और इसे खुशी से सूखने देना चाहिए? जिन लोगों के पास इन और अन्य सवालों के जवाब देने की बुद्धि है, उन्हें पता होगा कि अरावली विवाद क्या है और इस पर उनकी स्पष्ट राय होगी।

'इससे पहले 2010 में राजस्थान सरकार ने विकास के नाम पर पर्वत श्रृंखला में घुसपैठ करने की कोशिश की थी, जिसे अदालत ने भारतीय वन सर्वेक्षण (एफएसआई) से पर्वत श्रृंखला के भूभाग का प्रत्यक्ष अध्ययन करवाकर यह दिखाकर नाकाम कर दिया था कि कुछ जगहों पर पहाड़ियां तीन डिग्री के कोण पर उतरती हैं दिया गया है। इस संगठन के विशेषज्ञों का कहना है कि इन सभी पहाड़ों को सजातीय माना जाना चाहिए। कोर्ट ने इसे स्वीकार कर लिया और ऊंचाई को कसौटी के रूप में विचार किए बिना पूरी पर्वत श्रृंखला के संरक्षण का आदेश दिया। सुप्रीम कोर्ट में भी इसकी पुष्टि की गई थी। फिर भी, न्यायाधीश। गवई की पीठ ने अतीत के कुछ अन्य फैसलों की तरह एक अलग रुख अपनाया और केंद्र सरकार की पर्वत श्रृंखला की परिभाषा की एक नई परिभाषा अपनाई। 18 नवंबर, 2025 के फैसले ने परियोजनाओं की पूर्वव्यापी पर्यावरणीय मंजूरी को बरकरार रखा। गवई का मामला इसी का संकेत है। अरावली पर्वत के मामले में, उन्होंने केंद्र की बदलती व्याख्या को भी न्यायिक मंजूरी दी और देश भर के पर्यावरणविदों के बीच गुस्से की लहर पैदा कर दी। इसका कारण सिर्फ अरावली का विनाश नहीं है, चाहे विदर्भ के हरे-भरे जंगलों में खदानों की अनुमति देने का मामला हो, नासिक में 1800 पेड़ों की कटाई हो, या आर्थिक राजधानी में मैंग्रोव और अन्य पेड़ों का संरक्षण हो, यह बार-बार साबित हुआ है कि वर्तमान शासक आसानी से सभी पर्यावरणीय संकेतों को दांव पर लटका सकते हैं और अपनी मनचाही परियोजनाओं को गति दे सकते हैं। मुंबई जैसे शहर में, खाड़ी के पास मैंग्रोव को सरकार की आंखों के सामने बिल्डरों द्वारा ध्वस्त कर दिया जाता है। ठाणे शहर में एकनाथ शिंदे की हरियाली को दो-पांच ठेकेदारों के लाभ के लिए आसानी से काट दिया गया था। पुणे-सतारा हाईवे पर कभी 'ऊपर से' दिखने वाली कई पहाड़ियां गायब हो जाती हैं और मुंबई के उपनगर नवी मुंबई की सभी पहाड़ियां सपाट हो जाती हैं। इसलिए, भक्तों के लिए यह विश्वास करना संभव है कि पर्यावरण के मुद्दे पर आसानी से अहंकार करने वाली भाजपा सरकार ने अरावली पर कोई विनाशकारी निर्णय नहीं लिया है। हालांकि, इस मुद्दे पर जिस गुस्से और आंदोलन के साथ नागरिकों को आंदोलित किया गया है, उसे देखते हुए केंद्र को एक कदम क्यों उठाना चाहिए; लेकिन इसे वापस लेना पड़ा। इन चार राज्यों के लोगों को अरावली को बचाने के लिए दलगत मतभेदों से लड़ना पड़ा और राजस्थान में राजनीतिक उथल-पुथल के कारण पहले से ही परेशानी में फंसी भाजपा को नोटिस लेना पड़ा। अब सरकार कहती है कि अरावली पहाड़ियों में खनन का कोई नया ठेका नहीं दिया जाएगा, जो अच्छी बात है, लेकिन 'नया' शब्द महत्वपूर्ण है क्योंकि सरकार इनमें से कुछ पुराने ठेके को पूर्वव्यापी प्रभाव से नहीं दे पाएगी। दूसरा, खनन, बिजली उत्पादन, हवाई अड्डे के ठेके आदि में कुछ उद्योगपतियों द्वारा व्यापक जनहित को कैसे कुचला जा सकता है, इसके पर्याप्त उदाहरण हैं। यदि आप इसे करना चाहते हैं, तो इसे अंधे भक्तों पर छोड़ दें।

ऐसे में बाकी सोच के लिए पर्यावरण के नाजुक विषय के प्रति जागरूक होना ही बुद्धिमानी है। भौतिक ऊंचाई के आधार पर अगर सरकार ये तय करने का दुस्साहस कर रही है कि कोई प्राकृतिक तत्व होना चाहिए या नहीं होना चाहिए, तो समझदार के पास जागने के अलावा कोई रास्ता नहीं है। देश के उत्तर और दक्षिण के बीच की मध्यरेखा चार राज्यों को जोड़ने वाली है। यदि इतनी महत्वपूर्ण पर्वत श्रृंखला, जो पृथ्वी के जन्म के बाद से अस्तित्व में है, केवल खनन अनुबंधों के लिए चपटे होने का खतरा है और यदि नागरिकों में इसे बचाने के लिए पर्याप्त जागरूकता नहीं है, तो उस देश की पारिस्थितिक चेतना, संवेदनशीलता और भविष्य क्या होगा, यह अलग से बताने की आवश्यकता नहीं है। यह तथ्य भारतीयों के लिए और भी अधिक दर्दनाक होना चाहिए क्योंकि जो लोग मानते हैं कि ईश्वर पांच तत्वों का एक हिस्सा है, वे अक्सर एक ही संस्कृति से प्रभावित होते हैं और किसी को इसकी परवाह नहीं होती है। अगर हम नदियों को देवता मानकर पूजते हैं तो उनमें से कई मर चुकी होती हैं, पहाड़ों को अगर हम देवता मानते हैं तो उन्हें लगातार समतल करना पड़ता है, और अगर हम 'वृक्षवल्ली आम्हा सोयारे' गाते हैं तो हमें पेड़ों के चारों ओर घूमना पड़ता है। अरावली इस बात का प्रतीक हैं कि कैसे हमने अपनी पारिस्थितिक चेतना खो दी है और कैसे हम पृथ्वी को ही नष्ट कर रहे हैं।

नजरिया

बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा पर संकट

पंकज जगन्नाथ जयसवाल

साल 1947 में भारत के बंटवारे के बाद बने पाकिस्तान में आगे और बंटवारे की संभावना दिख रही थी।कई जानकारों ने इसे एक भौगोलिक गड़बड़ी, मीलों दूर दो अलग-अलग इलाकों का एक ढीला-ढाला मेल बताया था। मुस्लिम बहुमत के अलावा पश्चिमी पाकिस्तान और पूर्वी पाकिस्तान; जिसे अब बांग्लादेश के नाम से जाना जाता है, उसमें बहुत कम समानता थी। साल 1971 के युद्ध के पीछे पाकिस्तान की नेशनल आर्मी के सैनिक स्थानीय बंगाली आबादी के साथ बलात्कार, मारपीट और दूसरे अपराध थे, जिससे तंग लोग भारत भाग गए। इतने बड़े पैमाने पर पलायन और अमानवीय गतिविधियों को देखते हुए भारत सरकार ने पूर्वी पाकिस्तान को पाकिस्तानी शासन से आज़ाद कराकर नया देश बनाने का फैसला किया। मुख्य संघर्ष के दौरान भारत द्वारा प्रशिक्षित बांग्ला मुक्ति वाहिनी ने खुफिया जानकारी इकट्ठा की और कुछ इलाकों में पाकिस्तान से सप्लाई बंद करने में मदद की। भारतीय सेना ने ज़्यादातर सैनिक ट्रेनिंग, उपकरण और मैनपावर सप्लाई की। युद्ध की आधिकारिक शुरुआत से बहुत पहले भारतीय सेना, मुक्ति फौज से मिलकर लड़ रही थी। पहली झड़प 01 जुलाई 1971 में हुई जब 57 आर्टिलरी ब्रिगेड ने कर्नल पीके गौतम के ऑपरेशन बांग्लादेश के तहत आतग्राम और चग्राम में पाकिस्तानी ठिकानों को नष्ट कर दिया। ऐसी मुठभेड़ें दिसंबर तक जारी रहीं, जिसके दौरान मुक्ति वाहिनी ने गुरिल्ला युद्ध, तोड़फोड़ और खुफिया जानकारी इकट्ठा करने का काम किया। हालांकि वे सीधे मुकाबले में भारतीय सेना पर निर्भर थे क्योंकि वे सीधे मुकाबले में कमज़ोर लड़ाके थे।

पाकिस्तान से आजादी मिलने के बाद भारत ने उन्हें घर लौटने में मदद की, ट्रांसपोर्टेशन दिया और सड़कों एवं पुलों की मरम्मत में सहायता की। भारत ने बांग्लादेश को जो लगभग 232 मिलियन अमेरिकी डॉलर की सहायता का वादा किया था, वह दे दिया गया। साल 1972 में बांग्लादेश को खाद्यान्न मदद का सबसे बड़ा हिस्सा भारत का था। भारत- बांग्लादेश व्यापार समझौते से बांग्लादेश को बहुत फायदा हुआ। 28 मार्च 1972 को 5 करोड़ रुपये की ब्याज़ मुक्त स्विंग लिमिट के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे। इससे बांग्लादेश को कोयला और अन्य ज़रूरी सामान और संसाधन खरीदने की अनुमति मिली। भारत में लाखों बांग्लादेशी प्रवासियों का स्वागत किया गया और देश के आम नागरिकों ने स्वेच्छा से वित्तीय बोझ साझा किए। देश के नागरिकों ने पूर्वी पाकिस्तानी प्रतिरोध बलों का ज़ोरदार समर्थन किया और एक युद्ध कर लगाया गया। हालांकि पाकिस्तानी सेना के लगातार अत्याचारों के कारण स्थिति और खराब होने की आशंका थी इसलिए भारत को आखिरकार सैन्य हस्तक्षेप करने के लिए मजबूर होना पड़ा। असल में भारत ने अमेरिका को नाराज़ करने का भी खतरा मोल लिया जो एक सुपरपावर था और याह्या खान की तानाशाही का खुलेआम समर्थन कर रहा था। भारतीय लोगों ने शरणार्थियों की बाढ़ और उसके बाद हुए संघर्ष का भारी वित्तीय बोझ उठाया, यह दूसरे देशों के लोगों की दुर्दशा के प्रति भारत की दृढ़ता और करुणा का सबूत है। भारत ने 1971 का युद्ध किसी साम्राज्यवादी सपने या किसी खास राष्ट्रीय लक्ष्य को पूरा करने के लिए नहीं लड़ा था। भगवान राम ने हजारों साल पहले रावण को लंका पर कब्ज़ा करने के लिए नहीं बल्कि नैतिकता और धर्म का शासन फिर से स्थापित करने के लिए हराया था। अपनी जीत के बाद राम ने लंका उसके निवासियों और राजा विभीषण को वापस सौंप दी थी। इसी तरह भारत ने कट्टर राष्ट्रवाद, सांप्रदायिकता और नरसंहार के खिलाफ युद्ध लड़े। हम सिर्फ हथियारों से ही नहीं बल्कि करुणा और दूसरों के साथ एकता जैसे ऊँचे विचारों से भी जीते।

हाल के वर्षों में कई बांग्लादेशियों के बीच धार्मिक पहचान ज़्यादा आम हो गई है और कई लोग नैतिक और भाषाई हैंगओवर से थक चुके हैं। अगर मजहब कोई महत्वपूर्ण भूमिका नहीं निभाता है तो आप बस उस देश का समर्थन नहीं कर सकते जिसने कुछ दशक पहले ही आपके देश में सबसे भयानक नरसंहारों में से एक किया था। आपको भारत जैसे देश से खुलेआम नफ़रत करने के लिए क्या प्रेरित करता है, जिसने आपको आज़ादी दिलाने में मदद की और आपकी संप्रभुता को मान्यता देने वाले पहले कुछ देशों में से एक था। साल 2024 के विद्रोह के बाद बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन हुआ, जिसने न केवल देश के आंतरिक राजनीतिक माहौल को बिगाड़ा बल्कि इसके आसपास के क्षेत्र में भी रणनीतिक बदलाव किए। इसके अलावा चरमपंथी यूनुस के अंतरिम प्रशासन के तहत पूरे देश में कट्टरपंथ और धार्मिक उग्रवाद में चिंताजनक वृद्धि हुई है।बांग्लादेश में पिछले साल से कट्टरपंथी संगठन और विचारधाराएँ ज़्यादा प्रचलित हो गई हैं। उदाहरण के लिए जमात-ए-इस्लामी बांग्लादेश जैसे कट्टरपंथी संगठनों को यूनुस प्रशासन के तहत पिछले प्रशासन की तुलना में ज़्यादा जगह मिली है।ये समूह अब सार्वजनिक तौर पर हिंदू विरोधी बातचीत और सड़कों पर ज़्यादा दिखाई देते हैं। मस्जिदों और धार्मिक स्कूलों के ज़रिए इस्लामी समूहों ने आबादी के एक बड़े हिस्से, खासकर युवाओं को कट्टरपंथी बनाया है। देश में बढ़ते कट्टरपंथ के कारण बांग्लादेश में अल्पसंख्यक, खासकर हिंदू ज़्यादा खतरनाक स्थिति में हैं। दुख की बात है कि बांग्लादेश में हिंदुओं की संपत्ति, निजता और जीवन असुरक्षित हैं।ऐसे जघन्य कृत्यों को या तो राज्य द्वारा नज़रअंदाज़ किया जाता है या उसे बढ़ावा दिया जाता है।अमानवीय इस्लामी क्रूरता के अधिकांश शिकार महिलाएँ और बच्चे हैं। बांग्लादेश और पाकिस्तान, दोनों में हिंदू आबादी में तेज़ी से गिरावट आई है। उन देशों में रहने वाले हिंदुओं के लिए मानवाधिकार अभी भी दिवास्वप्न है।मूर्तियों और मंदिरों को अक्सर अपवित्र किया जाता है या नष्ट कर दिया जाता है और उनके धार्मिक विश्वास को निशाना बनाया जाता है। इन देशों के नेताओं द्वारा इस्लाम में धर्मांतरण ही एकमात्र रास्ता बताया जाता है। यह 1922 और 1946 में भी लागू था।

लक्षित हमलों, भीड़ द्वारा पीट-पीटकर हत्या और सांप्रदायिक हिंसा के कारण डर और असुरक्षा का माहौल बन गया है। आवासीय घरों पर हमला किया गया है, पूजास्थलों को तोड़ा गया है और संपत्ति नष्ट की गई है। अल्पसंख्यकों को किसी आपराधिक गतिविधि के बजाय उनकी पहचान के कारण निशाना बनाया जा रहा है।ऐसी हिंसा सरकार पर लोगों का भरोसा कम करती है और यह संदेश देती है कि इंसानियत से ज़्यादा इस्लामिक धार्मिक कट्टरता ज़रूरी है।

पिछले कुछ महीनों में भीड़ द्वारा उत्पीड़न और लिंचिंग की कई घटनाएँ सामने आई हैं जो हिंसा में चिंताजनक बढ़ोतरी का संकेत देती हैं। ऐसी ही एक घटना में चंद्रदास नाम के 25 साल के एक हिंदू दलित व्यक्ति को कथित तौर पर ईशनिंदा के झूठे आरोप में बर्बर तरीके से जलाकर मार डाला गया।हालाँकि सांप्रदायिक हमलों में मुख्य रूप से हिंदुओं को निशाना बनाया गया है लेकिन हिंदू ही हिंसा के एकमात्र शिकार नहीं हैं।चटगाँव में दो ईसाई लड़कियों पर कथित तौर पर हिजाब नहीं पहनने के कारण सार्वजनिक रूप से हमला किया गया। इन हमलों के अलावा अल्पसंख्यकों को धर्म बदलने या देश छोड़ने की धमकियाँ भी मिल रही हैं जो असहिष्णुता, ज़बरदस्ती और धार्मिक कट्टरता में चिंताजनक बढ़ोतरी का संकेत है। चंद्र दास की हत्या कोई अकेली घटना नहीं है बल्कि यह एक बड़े ट्रेंड का हिस्सा है जिसमें ईशनिंदा के दावों का इस्तेमाल भीड़ की हिंसा को सही ठहराने और विरोध की आवाज़ को दबाने के लिए किया जा रहा है। ऐसी क्रूरताएँ अराजकता को बढ़ावा देती हैं और अल्पसंख्यकों में डर पैदा करती हैं। अगर यह सिलसिला जारी रहा तो सामाजिक एकता और कमज़ोर होगी और बांग्लादेश बहुत ज़्यादा अस्थिर हो जाएगा।

जमात-ए-इस्लामी की वापसी इस तरह के सांप्रदायिक संघर्ष का एक बड़ा कारण है। हसीना प्रशासन के तहत जेल में बंद किए गए इस समूह के नेताओं को यूनुस प्रशासन ने आज़ाद कर दिया है। वे आज़ादी से घूम रहे हैं और सार्वजनिक रूप से भारत और अल्पसंख्यक हिंदुओं को धमकियां दे रहे हैं।अलकायदा से प्रेरित समूह अंसारुल्लाह बांग्ला टीम जिसे अब अंसार-अल-इस्लाम के नाम से जाना जाता है, उसके नेता मुफ्ती जशीमुद्दीन रहमानी ने हाल ही में भारत विरोधी ज़बरदस्त भाषण दिया जो इस खतरनाक ट्रेंड को दिखाता है। यूनुस सरकार ने पिछले साल रहमानी को भी रिहा कर दिया था जिससे चरमपंथी ताकतों के मज़बूत होने, धार्मिक अल्पसंख्यकों के लिए जगह कम होने और क्षेत्र की स्थिरता के बारे में गंभीर चिंताएँ पैदा हुई हैं। हसीना ने एक न्यूज़ आउटलेट के साथ ईमेल बातचीत में दावा किया कि हालिया तनाव जानबूझकर पैदा किया गया है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि यूनुस ने ऐसे लोगों को सत्ता के पदों पर बिठाया है और उन आतंकवादियों को रिहा किया है जो दोषी साबित हो चुके थे। उन्होंने यह भी कहा कि अपने राजनयिक कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर नई दिल्ली की चिंताएँ जायज़ हैं। (हिं.स.)

महत्त्वपूर्ण
Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

नगर कीर्तन

अमृतसर में शुक्रवार को सिख समुदाय के लोग 10वें सिख गुरु, गुरु गोबिंद सिंह की 359वीं जयंती से पहले अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में 'नगर कीर्तन' जुलूस में हिस्सा लेते हुए।

ताइवान को हथियार बेचने के ट्रंप के फैसले को लेकर चीन ने 20 अमेरिकी कंपनियों पर प्रतिबंध लगाया

बीजिंग/भाषा। चीन ने ताइवान को रिकॉर्ड 11.1 अरब अमेरिकी डॉलर के हथियार बिक्री पैकेज को मंजूरी देने के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के फैसले के जवाब में अमेरिका की 20 रक्षा कंपनियों पर शुक्रवार को प्रतिबंध लगा दिया।

चीनी विदेश मंत्रालय ने एक बयान में चेतावनी दी कि ताइवान मुद्दे पर चीन को उकसाने की किसी भी कोशिश का कड़ा जवाब दिया जाएगा।

ताइवान को बड़े पैमाने पर हथियारों की बिक्री की ट्रंप प्रशासन की घोषणा के जवाब में चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि बीजिंग ने अमेरिका की रक्षा क्षेत्र की 20 कंपनियों और 10 वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करने का फैसला किया है, जो हाल के वर्षों में ताइवान को हथियार उपलब्ध कराने में शामिल रहे हैं।

मंत्रालय ने कहा, ताइवान का मुद्दा चीन के मूल हितों के केंद्र में है और यह चीन-अमेरिका संबंधों की राह में वह पहली 'लक्ष्मण रेखा' है, जिसे पार नहीं किया जाना चाहिए। जो कोई भी इस रेखा को पार करने और ताइवान के मुद्दे पर उकसावे की कार्रवाई करने की कोशिश करेगा, उसे चीन की कड़ी प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ेगा।

मंत्रालय ने अमेरिका से आग्रह किया कि वह एक-चीन सिद्धांत का पालन करे, ताइवान को हथियारों से लैस करने के खतरनाक प्रयास रोके, ताइवान जलडमरूमध्य में शांति एवं स्थिरता को कमजोर न करे और 'ताइवान की स्वतंत्रता' की समर्थक अलगाववादी ताकतों को गलत संदेश भेजना बंद करे।

उसने कहा कि चीन राष्ट्रीय संप्रभुता, सुरक्षा और क्षेत्रीय अखंडता की मजबूती से रक्षा करने के लिए कड़े कदम उठाना जारी रखेगा।

इन प्रतिबंधों को अधिकतर प्रतीकात्मक माना गया है, क्योंकि जिन अमेरिकी रक्षा कंपनियों पर प्रतिबंध लगाया गया है, उनमें से अधिकतर का चीन में कोई कारोबार नहीं है।

हथियारों की प्रस्तावित बिक्री (जिसके लिए अमेरिकी संसद की मंजूरी जरूरी है) की बात ऐसे समय में हो रही है, जब ताइपे में चीन के संभावित हमले को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं। चीन इस स्व-शासित द्वीप को अपने क्षेत्र का हिस्सा मानता है।

अमेरिकी अखबार 'न्यूयॉर्क टाइम्स' ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि अगर इस पैकेज को मंजूरी मिल जाती है, जिसकी संभावना अमेरिकी संसद में ताइवान के लिए मजबूत द्विदलीय समर्थन को देखते हुए बहुत व्यापक है, तो यह पूर्ववर्ती बाइडन प्रशासन के दौरान ताइवान को बेचे गए 8.4 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य के हथियारों से अधिक होगा।

पाकिस्तान में अब भी रह रहे हैं 20 लाख अफगान शरणार्थी

इस्लामाबाद/भाषा

पाकिस्तान से वर्ष 2025 में 10 लाख से अधिक लोगों के स्वदेश लौटने के बावजूद वहां अब भी 20 लाख से ज्यादा अफगान शरणार्थी रह रहे हैं। 'डॉन' समाचार पत्र ने संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी (यूएनएचसीआर) के आंकड़ों के हवाले से यह रिपोर्ट दी है।

'डॉन' समाचार पत्र ने एजेंसी के आंकड़ों के हवाले से बताया कि केवल नवंबर महीने में ही 1,71,055 अफगान नागरिक अपने देश लौटे, जिनमें से 37,899 को चमन, तोरखम और बाराबचा सीमाओं के जरिये निर्वासित किया गया।

इसी महीने यूएनएचसीआर के प्रत्यावर्तन केंद्रों के माध्यम से 31,500 से अधिक 'प्रूफ ऑफ रजिस्ट्रेशन' (पीओआर) कार्डधारकों को भी अफगानिस्तान भेजा गया।

नवंबर में पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर बढ़े तनाव के कारण मानवीय सहायता कार्यों में बाधा आई और सीमा पार आवाजाही प्रतिबंधित रही। इसके चलते संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियों को चमन सीमा क्षेत्र से अस्थायी रूप से हटना पड़ा।

खैबर पख्तूनख्वा (केपी) में 'अवैध विदेशी प्रत्यावर्तन योजना' (आईएफआरपी) के तीसरे चरण के कड़े कार्यान्वयन के बावजूद, यूएनएचसीआर और उसके सहयोगियों ने आवश्यक सेवाएं सुनिश्चित कीं। इनमें महिलाओं, लड़कियों और बच्चों के लिए सुरक्षित स्थानों की बहाली के साथ-साथ कानूनी और मानसिक स्वास्थ्य सहायता जारी रखना शामिल है।

पाकिस्तान सरकार ने सितंबर 2023 में आईएफआरपी योजना शुरू की थी, जिसके बाद बड़े पैमाने पर अफगानों की वापसी शुरू हुई।

योजना के पहले (सितंबर 2023) और दूसरे (अप्रैल 2025) चरण में बिना दस्तावेजों वाले अफगानों और 'अफगान नागरिकता कार्ड' धारकों को लक्षित किया गया था।

जुलाई 2025 तक इन चरणों के तहत शहरी क्षेत्रों और शरणार्थी गांवों से 11 लाख से अधिक अफगान वापस जा चुके थे। सितंबर 2025 में शुरू हुए तीसरे चरण में अब तक करीब 1.66 लाख 'पीओआर' कार्डधारक लौटे हैं। योजना की शुरुआत से अब तक कुल 18.2 लाख से अधिक अफगान स्वदेश लौट चुके हैं। इस वर्ष नवंबर के दौरान कुल 1,71,055 अफगान स्वदेश लौटे, जिनमें आधिकारिक तौर पर दर्ज किए गए 37,899 निर्वासन के मामले भी शामिल हैं।

मैं रविवार को फ्लोरिडा में अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप से मुलाकात करूंगा: जेलेंस्की

कीव/एपी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने शुक्रवार को कहा कि वह रविवार को फ्लोरिडा में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात करेंगे।

जेलेंस्की ने पत्रकारों को बताया कि दोनों नेता रविवार की वार्ता के दौरान यूक्रेन के लिए सुरक्षा गारंटी पर चर्चा करेंगे और विचाराधीन 20 सूत्री योजना लगभग 90 प्रतिशत तैयार है। प्रस्तावित बैठक लगभग चार वर्षों से जारी रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए अमेरिका के नेतृत्व में किए जा रहे व्यापक राजनयिक प्रयासों में नया घटनाक्रम है।

सुभाष घई की पसंदीदा फिल्म है 'ब्लैक एंड व्हाइट'

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म निर्माता-निर्देशक सुभाष घई ने अपनी साल 2008 की फिल्म 'ब्लैक एंड व्हाइट' को लेकर दिल की बात कही है। सोशल मीडिया पर पोस्ट कर उन्होंने फिल्म को अपनी पसंदीदा बताया। सुभाष घई ने मजेदार अंदाज में बताया कि यह फिल्म उनकी पसंदीदा क्यों है? सुभाष घई ने हल्के-फुल्के अंदाज में खुलासा किया कि यह फिल्म उनकी पसंदीदा इसलिए है क्योंकि यह उनकी पारंपरिक 'सुभाष घई स्टाइल' वाली फिल्म नहीं है। उन्होंने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा कि रिलीज के समय आम दर्शकों को यही लगा, वहीं काफी लोगों को इसका कंटेंट बेहद पसंद आया। कई बड़े निर्देशकों ने फोन कर तारीफ की, जो उनके लिए बड़ी उपलब्धि थी। सुभाष घई ने पोस्ट में लिखा, यह सुभाष घई टाइप की फिल्म नहीं है। फिल्म रिलीज के समय मास ऑडियंस का पहला रिएक्शन यही था कि यह सुभाष घई की सामान्य फिल्मों जैसी नहीं लग रही। हालांकि, क्लास ऑडियंस को फिल्म और उसका कंटेंट बहुत पसंद आया, क्योंकि यह साल 2008 में बनी एक रियल लाइफ पर आधारित फिल्म थी।

घई ने याद करते हुए कहा कि रिलीज के बाद कई डायरेक्टर्स के फोन आए, जिन्होंने फिल्म की तारीफ की थी, जो उनके लिए बड़ी बात है। उन्होंने आगे लिखा, फिल्म रिलीज होने पर मुझे टॉप डायरेक्टर्स के फोन आए, जिन्होंने फिल्म की तारीफ की। यह सच में एक बहुत बड़ी तारीफ थी। यह फिल्म अभी भी मेरी पसंदीदा है क्योंकि 'यह सुभाष घई की फिल्म नहीं है', प्लीज इसे टीवी पर जरूर देखें। 'ब्लैक एंड व्हाइट' साल 2008 में रिलीज हुई क्राइम-थ्रिलर है, जिसका निर्देशन और सह-निर्माण सुभाष घई ने किया है। फिल्म की मुख्य भूमिकाओं में अनिल कपूर, अनुराग सिन्हा, शेफाली शाह और अदिति शर्मा हैं। फिल्म दिल्ली की चांदनी चौक और पुरानी दिल्ली की पृष्ठभूमि पर बनी है। कहानी एक अफगानी हमलावर नुमैर काजी (अनुराग सिन्हा) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो गुजरात दंगों का शिकार बताकर दिल्ली में एक प्रोफेसर राजन माथुर (अनिल कपूर) के घर में रहने लगता है। असल में वह 15 अगस्त को लाल किले पर बड़ा हमला करने की योजना बना रहा होता है। प्रोफेसर की पत्नी रोमा माथुर का किरदार शेफाली शाह ने निभाया है। आतंकवाद, सांप्रदायिक सद्भाव और मानवीय बदलाव जैसे गंभीर मुद्दों पर आधारित सुभाष घई की इस फिल्म को मिक्स्ड रिव्यूज मिले थे।

कार्तिक आर्यन की 'तू मेरी मैं तेरा' पहले दिन दमदार कमाई

मुंबई/एजेन्सी

क्रिसमस के मौके पर सिनेमाघरों में कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे की नई रोमांटिक कॉमेडी फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' ने दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींचा है। हर साल क्रिसमस पर कई बड़ी फिल्में रिलीज होती हैं, लेकिन वही फिल्में ही टिक पाती हैं, जो कहानी और अभिनय के दम पर दर्शकों से जुड़ पाती हैं। यही वजह है कि सीमित स्क्रीन होने के बावजूद भी फिल्म ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर करीब 8.46 करोड़ की कमाई दर्ज की, जिसके चलते यह कार्तिक के करियर की टॉप ओपनिंग डे कलेक्शन्स में शामिल हो गई है। बॉक्स ऑफिस पर धर्मा प्रोडक्शंस की रोमांटिक कॉमेडी फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी' का मुकाबला आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर' और हॉलीवुड की मेगा ब्लॉकबस्टर 'अवतार: फायर एंड ऐश' से हुआ। सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर 8.46 करोड़ रुपए का शानदार कलेक्शन किया। ऐसे में मेकर्स वीकेंड में मूवी की कमाई और बढ़ने की उम्मीद जता रहे हैं।

साल 2025 में रिलीज हुई कई फिल्मों की तुलना में भी इस फिल्म ने ओपनिंग डे कलेक्शन के मामले में कईयों को पीछे छोड़ा। उदाहरण के लिए, 'मिराय' ने पहले दिन 1.75 करोड़, 'फुले' ने 15 लाख और 'ग्राउंड जीरो' ने 1.20 करोड़ रुपए की कमाई की थी। वहीं, 'द डिप्लोमैट' ने 4.03 करोड़ और 'सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव' ने 50 लाख रुपए कमाए थे। अन्य फिल्मों में, 'महावतार नरसिम्हा' ने 1.86 करोड़, 'द बंगाल फाइल्स' ने 1.85 करोड़ और 'परम सुंदरी' ने 7.37 करोड़ रुपए कमाए। इसी तरह, 'कुली (हिंदी)' ने 4.5 करोड़, 'धड़क 2' ने 3.65 करोड़ और 'निकिता रॉय' ने 22 लाख रुपए की कमाई दर्ज की। इसके अलावा, 'देवा' ने 5.78 करोड़, 'मालिक' ने 4.02 करोड़ और 'आंखों की गुस्ताखियां' ने 35 लाख रुपए कमाए। 'मेट्रो इन दिनों' ने 4.05 करोड़, 'मां' ने 4.93 करोड़ और 'मेरे हसबैंड की बीवी' ने 1.75 लाख रुपए की कमाई की।

इस तरह देखा जाए तो 'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी' ने पहले दिन कई फिल्मों को पीछे छोड़ते हुए साल 2025 की सफल ओपनिंग में अपनी जगह बना ली है।

थलपति विजय का मलेशिया में शाही स्वागत

मुंबई/एजेंसी

थलपति विजय अपने आने वाले फिल्म जन नेता के ऑडियो लॉन्च से पहले जब मलेशिया पहुंचे, तो वहां उनका स्वागत किसी रॉयल सेलिब्रेशन से कम नहीं रहा। खास बात ये कि उन्हें परंपरागत सिलाट परफॉर्मेंस के साथ रिसीव किया गयामलेशिया का नेशनल मार्शल आर्टजिसने उनके स्टारडम और इंटरनेशनल फैन फॉलोइंग को और ज्यादा स्पेशल बना दिया।धुनों पर थिरकती पारंपरिक बीटस, दमदार मूव्स और चारों तरफ विजय-विजय के नारेये वेलकम वीडियो इंटरनेट पर पहले ही वायरल हो चुके हैं और फिल्म के ऑडियो लॉन्च के लिए एक्साइटमेंट आसमान छू रही है। बिजनेस की बात करें तो फिल्म पहले ही बड़े तूफान के लिए तैयार दिख रही है। शुरुआती ट्रेंड्स और ओवरसीज़ एडवांस बुकिंग्स बता रही हैं कि ये विजय के करियर के सबसे स्ट्रॉन्ग ओपनिंग्स में से एक हो सकती हैखासकर इंटरनेशनल मार्केट्स में।जन नेता पहले से ही इवेंट फिल्म फील दे रही है। ऑडियो लॉन्च बस आने ही वाला है और विजय का ये मलेशिया एंट्री मोमेंट ने क्रेज को और हाई कर दिया हैजो आने वाले समय का एक मेगा सिनेमैटिक धमाका होने वाला है। फिल्म के डायरेक्टर हैं एच. विनोथ जो अपनी स्ट्रॉन्ग स्टोरीटेलिंग और लेयर्ड नैरेटिव के लिए जाने जाते हैं। म्यूजिक दिया है अनिरुद्ध रविचंदर ने, और कास्ट में बॉबी देओल, पूजा हेगड़े, ममिथा बैजू, प्रकाश राज, गौतम वासुदेव मेनन, प्रियमणि और नरैन जैसे दमदार नाम शामिल हैंजो फिल्म को और भी ग्रैंड बना देते हैं।

केवीएन प्रोडक्शन्स के बैनर तले, प्रोड्यूसर वेंकट के. नारायण द्वारा बनाई गई जना नायकन (जन नेता हिंदी) 9 जनवरी 2026 को पीएम शो वाली स्टाइल में ग्रैंड वर्ल्डवाइड रिलीज के लिए तैयार हैवो भी पाँगल के त्योहार के साथ, मतलब डबल सेलिब्रेशन, डबल एंटरटेनमेंट!

'वेलकम टू द जंगल' की शूटिंग पूरी

मुंबई/एजेन्सी

निर्देशक अहमद खान की मल्टीस्टारर फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' के रिलीज का इंतजार फैंस काफी समय से कर रहे हैं। फिल्म से जुड़े स्टार्स फिल्म की कुछ झलकियां शेयर करते रहते हैं, लेकिन अब क्रिसमस वाइब के साथ अक्षय कुमार ने एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें फिल्म से जुड़ा हर शख्स दिख रहा है। क्रिसमस के मौके पर अक्षय कुमार ने फैंस का एक्साइटमेंट बढ़ाते हुए एक वीडियो पोस्ट किया है।

फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है और खुद अक्षय इतनी बड़ी टीम के साथ काम करते हुए काफी खुश हैं। अभिनेता ने फिल्म की रिलीज डेट से पर्दा नहीं उठाया है, लेकिन यह हिंट जरूर दिया है कि फिल्म जल्द ही साल 2026 में रिलीज होने वाली है। उन्होंने क्रिसमस की बधाई देते हुए लिखा, वेलकम टू द जंगल की पूरी टीम की तरफ से आप सभी को क्रिसमस की बहुत-बहुत शुभकामनाएं!

उन्होंने आगे लिखा, मैं कभी भी इतनी बड़ी चीज का हिस्सा नहीं रहा, हममें से कोई भी नहीं रहा। हम आपको अपना तोहफा देने का इंतजार नहीं कर सकते। काम पूरा हो गया, और टीम ने बहुत बढ़िया काम किया है। इसे सच करने में शामिल सभी लोगों ने बहुत मेहनत की है। जल्द ही हम बड़े परिवार के साथ आपके घर आने वाले हैं। हमारे बड़े परिवार की तरफ से सभी को ढेर सारी शुभकामनाएं।

वीडियो में अक्षय कुमार सहित सारे स्टार्स अलग लुक में दिख रहे हैं। किसी के हाथ में बंदूक है तो किसी के हाथ में कुल्हाड़ी। अक्षय कुमार का लुक काफी अलग है, जिसमें उन्हें सफेद दाढ़ी और लंबे बालों के साथ दिखाया गया है, जबकि सुनील शेट्टी, तुषार कपूर, अरशद वारसी, दिशा पाटनी, रवीना टंडन, श्रेयस तलपड़े और राजपाल यादव खाकी कपड़ों में दिख रहे हैं। वीडियो को क्रिसमस की बीट के साथ रिलीज किया है। इससे पहले परेश रावल ने फिल्म की रिलीज को लेकर बड़ा अपडेट दिया था। उन्होंने मीडिया को दिए इंटरव्यू में कहा था कि सेकंड शेड्यूल की शूटिंग के बाद जल्द ही फिल्म फ्लोर पर आएगी और अगले साल यानी साल 2026 में मार्च और अप्रैल के बीच फिल्म को रिलीज किया जा सकता है।

सफारी

महाराष्ट्र के गोंदिया जिले के नवेगांव नागजीरा टाइगर रिजर्व में सफारी के दौरान एक टाइगर की तस्वीरें लेते टूरिस्ट।

'रजनी' के एपिसोड हमेशा के लिए खो गए : करण राजदान

मुंबई/भाषा

छोटे पर्दे पर 1985 के लोकप्रिय कार्यक्रम 'रजनी' के एक नए संस्करण के साथ वापसी कर रहे अभिनेता-निर्देशक करण राजदान का कहना है कि मूल धारावाहिक के एपिसोड खो गए हैं। 'रजनी' में प्रिया तेंदुलकर ने अभिनय किया था, जिनकी मृत्यु हो चुकी है और वह करण राजदान की पत्नी थी।रजदान द्वारा लिखे गए और बसु चटर्जी द्वारा निर्देशित इस कार्यक्रम में दिवंगत अभिनेत्री प्रिया तेंदुलकर ने एक मध्यमवर्गीय गृहिणी की भूमिका निभाई थी जो आम जनता से जुड़े मुद्दों को उठाती हैं। यह धारावाहिक उस समय काफी लोकप्रिय हुआ था और इसमें शाहरुख खान तथा सुभाष घई ने भी भूमिकाएं निभाई थीं।दूरदर्शन पर वर्तमान में प्रसारित हो रहे इस नए संस्करण में आराधना शर्मा रजनी की बेटी की भूमिका निभा रही हैं, जो धारावाहिक के प्रत्येक एपिसोड में विभिन्न मुद्दों का सामना करके अपनी मां की विरासत को आगे बढ़ा रही हैं। लोकप्रिय धारावाहिक 'तहकीकात' के लिए भी जाने जाने वाले और 'दिलजले' तथा 'त्रिमूर्ति' जैसी फिल्मों के लिए पटकथा लिखने वाले फिल्म निर्माता इस बात से खुश हैं कि उन्हें 'वेव्स ओटीटी' पर इस सीरीज को फिर से बनाने का मौका मिला। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''मूल एपिसोड हमेशा के लिए खो गए हैं क्योंकि उन दिनों टेप (उसकी रिकॉर्डिंग) को सुरक्षित रखना लगभग नामुमकिन था। कम से कम हमने यहां रजनी को फिर से जीवंत कर दिया है और 'वेव्स ओटीटी' पर यह जीवन भर या उससे भी लंबे समय तक चलेगा।''राजदान ने कहा कि तेंदुलकर द्वारा निभाए गए किरदार के लिए किसी दूसरे को नहीं लाने का यह एक सचेत निर्णय था और इसके बजाय नई नायिका के रूप में उनकी बेटी को पेश किया गया। राजदान के अनुसार, उस समय यह शृंखला जारी नहीं रह सकी क्योंकि इसमें ऐसे मुद्दों को उठाया गया था जो सत्ता में बैठे लोगों के लिए सहज नहीं थे, लेकिन 1995 में दूसरे सीज़न के लिए इसे थोड़ समय के लिए फिर से शुरू किया गया था। उन्होंने कहा, ''तो मैं लगभग आठ साल से (एक नया शो लाने के) विचार के साथ जी रहा था, जब तक कि गौरव द्विवेदी जी (सीईओ, प्रसार भारती) ने मुझसे संपर्क नहीं किया।

ग्रेटर बेंगलूरु अथॉरिटी के मुख्य आयुक्त ने निर्माणाधीन सालासर मंदिर का दौरा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। गुरुवार को ग्रेटर बेंगलूरु अथॉरिटी के मुख्य आयुक्त महेश्वर राव ने शहर के बन्नरघट्टा रोड पर निर्माणाधीन श्री सालासर बालाजी मंदिर परिसर का दौरा किया। राव ने इस निर्माणाधीन मंदिर परिसर के निर्माण कार्यों की प्रगति का अवलोकन करते हुए गुणवत्ता की सराहना की। इस मौके पर मंदिर समिति के पदाधिकारियों व सहयोगियों से मुख्य आयुक्त राव ने बातचीत की तथा यथास्थिति को समझा। समिति ने बताया कि मुख्य आयुक्त के सहयोग व मार्गदर्शन से मंदिर निर्माण योजना को बीबीएमपी की औपचारिक स्वीकृति प्राप्त हुई है, जो परियोजना के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। पदाधिकारियों ने बताया कि समिति का उद्देश्य है कि यह सालासर मंदिर भविष्य में केवल पूजा स्थल न होकर आध्यात्मिक शांति, सांस्कृतिक गतिविधियों और सामाजिक सेवा का केंद्र बने। मंदिर परिसर में भक्ति कार्यक्रम, सामूहिक सेवा, युवाओं के लिए प्रेरक गतिविधियाँ और समाजोपयोगी योजनाएं संचालित की जाएँगी। समिति ने प्रशासन, दानदाताओं, स्वयंसेवकों और भक्तों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस मौके पर समिति की ओर से मुख्य अआयुक्त का सम्मान किया गया।

'शब्द' का पुरस्कार वितरण समारोह कल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। देश के विज्ञान नगर बेंगलूरु के हिंदी रचनाकारों की प्रतिष्ठित साहित्यिक संस्था 'शब्द' का वार्षिकोत्सव–सह–पुरस्कार अर्पण समारोह रविवार को जैन विश्वविद्यालय के जयनगर कैंपस में सेकेंड फ्लोर स्थित कांफ्रेंस हॉल में पूर्वाह्न 11 बजे से होगा। कार्यक्रम संयोजक श्रीकांत शर्मा ने बताया कि इस उत्सव के मुख्य अतिथि यूनेस्को में भारत के पूर्व सांस्कृतिक राजदूत और प्रख्यात चिंतक चिरंजीव सिंह होंगे। इस अवसर पर पच्चीस हजार रुपए का 'दक्षिण भारत शब्द हिंदी सेवी सम्मान' कर्नाटक के प्रसिद्ध शिक्षाविद डॉ टी जी प्रभाशंकर प्रेमी को प्रदान किया जाएगा तथा एक लाख रुपए का 'अज्ञेय शब्द सृजन सम्मान' मूर्धन्य कवयित्री जसिन्ता केरकेट्टा को प्रदान किया जाएगा।

श्रीकांत शर्मा द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार 'शब्द' द्वारा ये पुरस्कार देश में साहित्य लेखन के संवर्द्धन के लिए और दक्षिण के प्रदेशों में भाषाई आपसदारी को मजबूत करने के लिए प्रदान किए जाते हैं। पुरस्कृत किए जाने वालों को पुरस्कार राशि के साथ–साथ पारंपरिक मैसूर पेटा, स्मृति चिह्न, अंगवस्त्रम, सम्मान पत्र और श्रीफल भेंट किए जाएंगे। दोनों पुरस्कारों का निर्णय हिंदी भाषा और साहित्य के सर्जक विद्वानों की पाँच सदस्यीय मूल्यांकन समिति की संस्तुति के आधार पर निर्णायक मंडल द्वारा सर्वसम्मति से किया गया। उक्त सम्मान मूर्तियों का चयन उनके अबतक के कार्यों के पारदर्शी मूल्यांकन के आधार पर किया गया है।

प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार 'अज्ञेय शब्द सृजन सम्मान' हर वर्ष बेंगलूरु के प्रसिद्ध समाजसेवी और अज्ञेय साहित्य के मर्मज्ञ बाबूलाल गुप्ता के फाउंडेशन के सौजन्य से दिया जाता है। इसी तरह 'दक्षिण भारत शब्द हिंदी सेवी सम्मान' भी हर वर्ष बेंगलूरु और चेन्नई से प्रकाशित प्रमुख हिंदी समाचार पत्र समूह 'दक्षिण भारत राष्ट्रमत' के सौजन्य से दिया जाता है।

'शब्द' के इस समारोह में आरंभ में बेंगलूरु की प्रसिद्ध सांस्कृतिक संस्था के कलाकारों द्वारा संगीत की धुन पर सांस्कृतिक नृत्य के कार्यक्रम होंगे। समारोह जैन विश्वविद्यालय के जयनगर, 9 वाँ ब्लॉक, बिग बाजार के पीछे वाले परिसर के कांफ्रेंस हॉल में आयोजित होगा। समारोह में बेंगलूर के विभिन्न क्षेत्रों से सैकड़ों साहित्यप्रेमियों के शामिल होने की संभावना है।

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ लगातार जारी शत्रुतापूर्ण गतिविधियां गंभीर चिंता का विषय : भारत

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने शुक्रवार को कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ लगातार जारी शत्रुतापूर्ण गतिविधियां' गंभीर चिंता का विषय हैं। साथ ही उसने इस बात को दोहराया कि उस देश में आगामी संसदीय चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष और समावेशी होने चाहिए।

बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान की स्वदेश वापसी पर नई दिल्ली ने भी सतर्कतापूर्वक प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि इसे समावेशी चुनाव सुनिश्चित करने के संदर्भ में देखा जाना चाहिए।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत बांग्लादेश के मयमनसिंह में हिंदू युवक दीपू चंद्र दास की हाल में हुई हत्या की कड़ी निंदा करता है। उन्होंने अपनी साप्ताहिक प्रेस वार्ता में कहा, बांग्लादेश में हिंदुओं, ईसाइयों और बौद्धों समेत अल्पसंख्यकों के खिलाफ जारी शत्रुतापूर्ण गतिविधियां गंभीर चिंता का विषय हैं। हम बांग्लादेश में हाल में एक हिंदू युवक की हत्या की कड़ी निंदा करते हैं और उम्मीद करते हैं कि इस अपराध के दोषियों को न्याय के कटघरे में लाया जायेगा। जायसवाल ने कहा कि भारत बांग्लादेश में हो रहे घटनाक्रम पर बारीकी से नजर रख रहा है। उन्होंने कहा कि अंतरिम सरकार के कार्यकाल के दौरान बांग्लादेश में स्वतंत्र स्रोतों द्वारा अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की 2,900 से अधिक घटनाओं का दस्तावेजीकरण किया गया है।

जायसवाल ने कहा, बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की घटनाओं को मीडिया द्वारा बढ़ा–चढ़ाकर पेश करना या राजनीतिक हिंसा कहकर खारिज नहीं किया जा सकता।

बांग्लादेश और पाकिस्तान में शायद अब भी 'बाबर जैसी सोच वाले लोग' मौजूद : लेखी

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा

पूर्व केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हमलों को लेकर नाराजगी जताते हुए शुक्रवार को कहा कि बांग्लादेश और पाकिस्तान में कुछ हद तक शायद अब भी मुगल आक्रांता बाबर जैसी सोच रखने वाले लोग मौजूद हैं।

लेखी ने बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के खिलाफ हिंसा की घटनाओं पर इंदौर में संवाददाताओं से कहा, मैं हालांकि सब लोगों की बात नहीं कर रही हूं, लेकिन बांग्लादेश और पाकिस्तान में कुछ हद तक शायद आज भी बाबर जैसी सोच रखने वाले लोग मौजूद हैं और इसलिए वे हत्याएं कर रहे हैं। वे भारत को उकसाने का प्रयास कर रहे हैं ताकि किसी न किसी तरीके से समाज में असहजता बढ़े। उन्होंने कहा कि भारतीय समाज में असहिष्णुता के लिए कोई जगह नहीं है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नेता ने कहा, हमें हर चीज का ध्यान रखते हुए अपना कर्म करना है ताकि हमारा देश विखंडित न हो और एकजुट रहे, लेकिन आक्रांताओं के प्रति कोई सौहार्द्र भी नहीं होना चाहिए।

'विकसित भारत–जी राम जी अधिनियम 2025' को लेकर कांग्रेस की ओर से विरोध किए जाने पर पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, उन लोगों से आप भला क्या उम्मीद कर सकते हैं जिन्होंने भगवान राम को काल्पनिक बताया था।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपए की गिरती कीमत पर उन्होंने कहा कि रुपए का अवमूल्यन अर्थव्यवस्था का एक पहलू भर है, लेकिन भारत का स्वर्ण भंडार बढ़ा है, निर्यात में इजाफा हुआ है और महंगाई दर घटी है। लेखी ने 'वीर बाल दिवस' पर भाजपा के इंदौर कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया। इस मौके पर भाजपा कार्यालय में सिख समुदाय के रीति–रिवाजों के मुताबिक कथा–कीर्तन और लंगर का आयोजन भी किया गया।

लेखी ने कहा, देश की विरासत में बच्चों की वीरता का इतिहास भी शामिल है। हर बच्चे को देश और समाज के प्रति अपने कर्तव्यों को लेकर इस इतिहास से प्रेरणा लेनी चाहिए।

पंचायत चुनावों में भाजपा की जीत कर्नाटक में कांग्रेस सरकार के खिलाफ जनाक्रोश को दिखाती हैः विजयेंद्र

बेंगलूरु/भाषा

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र ने शुक्रवार को कहा कि कर्नाटक में हाल ही में हुए नगर पंचायत चुनाव के परिणाम कांग्रेस सरकार की विफलता का स्पष्ट संकेत हैं और मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के प्रशासन के खिलाफ बढ़ते जनाक्रोश को दर्शाते हैं। 'वीर बालक दिवस' के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के तहत मल्लेश्वरम स्थित भाजपा राज्य कार्यालय जगन्नाथ भवन में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए विजयेंद्र ने कहा कि राज्य भर में लोग कांग्रेस सरकार से बेहद असंतुष्ट हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता में आने से पहले लोगों ने कांग्रेस से बड़ी उम्मीदें लगाई थीं, लेकिन सत्ता संभालने के 48 घंटों के भीतर ही सरकार का नकाब उतर गया।

विजयेंद्र ने कहा, लोग मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के प्रशासन को कोस रहे हैं, और नगर पंचायत चुनाव के परिणाम उनकी सरकार की विफलता का स्पष्ट संकेत दे रहे हैं। विजयेंद्र ने कांग्रेस पर किसान कल्याण योजनाओं को रद्द करने और उनमें बाधा डालने का आरोप लगाया, और कहा कि पार्टी ने 'पीएम–किसान सम्मान' योजना के तहत किसानों को दी जाने वाली 6,000 रुपये की मासिक वित्तीय सहायता और पूर्व मुख्यमंत्री बी एस येडीयुरप्पा द्वारा दी गई अतिरिक्त 4,000 रुपये की सहायता का विरोध किया था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई द्वारा किसानों के बच्चों की शिक्षा के लिए शुरू की गई 'विद्यानिधि योजना' को रोक दिया था। हाल ही में हुए नगर पंचायत चुनावों का जिक्र करते हुए विजयेंद्र ने कहा कि भाजपा ने उम्मीदों से कहीं अधिक सफलता हासिल की है और दक्षिण कन्नड़ जिले के बाजपे और किन्निगोली, उत्तर कन्नड़ जिले के होन्नावर के मंकी और बेंगलुरु ग्रामीण जिले के बाशेट्टीहल्ली सहित कई नगर पंचायतों में बहुमत प्राप्त किया है। बाद में उन्होंने डोड्डाबल्लापुरा तालुक के बाशेट्टीहल्ली टाउन पंचायत के विजयी उम्मीदवारों को सम्मानित किया।

सांप्रदायिक उन्माद के दौर में कबीर की गंगा- जमुनी तहजीब को मजबूत करने की जरूरत : कला मर्मज्ञ

वाराणसी/भाषा

समाज में बढ़ते सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के बीच 15वीं सदी के रहस्यवादी कवि और निर्गुण साधक कबीर के दर्शन से जुड़े कलाकारों, गायकों और विद्वानों का कहना है कि मौजूदा दौर में कबीर की गंगा जमुनी तहजीब को मजबूत करने की पहले से कहीं ज्यादा जरूरत है।

पिछले 20 वर्षों से वाराणसी के मूलगढ़ी आश्रम स्थित कबीरचौरा मठ में कबीर के दर्शन को अपने जीवन में उतारने वाले उमेश कबीर का कहना था, समाज में जातिवाद हावी है। आज एक कबीर से काम नहीं चलेगा। हर गांव, हर कस्बे में बल्कि हर घर में एक कबीर की जरूरत है।

कम उम्र से ही उमेश आध्यात्मिकता के प्रति आकर्षित थे और ज्ञान की पिपासा में वह इलाहाबाद स्थित अपना घर छोड़कर कबीर आश्रम में आ बसे। उन्होंने यहां कबीर के दर्शन का अध्ययन करते हुए कम्प्यूटर और विधि विज्ञान में उच्च शिक्षा भी हासिल की है।

मौजूदा समय में कबीर की प्रासंगिकता संबंधी सवाल पर देश के विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों और विश्वविद्यालयों में कबीर दर्शन पर व्याख्यान देने वाले उमेश कबीर का कहना था कि सामाजिक विभाजन गहरा हुआ है और इसी के चलते कबीर आज और ज्यादा प्रासंगिक हो गए हैं।

पिछले दिनों यहां नौवें महिंद्रा कबीरा फेस्टिवल में शिरकत करने के लिए आयीं कई अन्य हस्तियों की भी यही राय थी। 'कबीरा कुआं एक है, पनहारिनी अनेक, सबके घड़वे अलग अलग, सब में पाणी एक'.... फेस्टिवल में इस भजन को प्रस्तुत करने वाले राजस्थान के जैसलमेर के लोक एवं भक्ति गायक महेशा राम का भी कहना था,आज कबीर की बहुत जरूरत है। जब सत्संग के भाव भीतर से आते हैं तो आप कबीरमय हो जाते हैं। इसलिए सामाजिक सद्भाव को कायम रखने की खातिर हमें ऐसे ही सत्संग की जरूरत है।

कबीर, नारायणदास और अन्य भक्ति कवियों की रचनाओं को लोक वाद्य यंत्रों के साथ सुरों में ढालने वाले महेशा राम मेघवाल समुदाय से आते हैं जो राजस्थान के गांवों और रेगिस्तानी धोरों में रात रात भर कबीर के भजन गाते हैं।

अवधी, कन्नौजी, भोजपुरी, बुंदेली, बनारसी और ब्रज बोली में कबीर के भजनों को गाने वाली ढोलक रानी ग्रुप की शिवांगिनी येशु युवराज कहती हैं कि कबीर निर्गुण कवि ही नहीं थे बल्कि जुलाहे भी थे जिनके करघे पर हर धागा एक सवाल था, और हर बुनाई, एक जवाब। उन्होंने कबीरा उत्सव के दौरान 'भाषा' से बातचीत में कहा,कबीर ने हर धर्म की बुराइयों पर सवाल उठाया, व्यवस्था पर सवाल उठाया... कबीर हमें सवाल उठाना सिखाते हैं, और आज इसलिए भी कबीर की जरूरत है ताकि समाज सवाल कर सके।

अमेरिका के लास एंजिलिस में पैदा हुए और पले बढ़े आदित्य प्रकाश कर्नाटक संगीत में जैज, रॉक संगीत और लोक गायिकी के साथ ही शास्त्रीय संगीत के संयोजन से कबीर के भजनों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक नया कलेवर दे रहे हैं। बनारस के शिवाला घाट पर प्रस्तुति देने के बाद उन्होंने कबीर की प्रासंगिकता पर कहा, कबीर समाज को विभाजित करने वाले तत्वों का उपहास उड़ाते हैं, समाज से जवाबदेही मांगते हैं... कबीर एक ताकत हैं और इसीलिए हमें आज कबीर की बहुत जरूरत है।

कबीर की धरती पर उनके भजन गाने के अपने अनुभव को साझा करते हुए आदित्य प्रकाश ने कहा, यहां कबीर हुए, तुलसी हुए...यहां एक विशेष प्रकार की ऊर्जा महसूस होती है।

सामाजिक उत्थान के एक नए अध्याय का साक्षी बन रहा है अयोध्या : राज्यपाल पटेल

लखनऊ/भाषा

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने शुक्रवार को कहा कि सांस्कृतिक चेतना, आध्यात्मिक ऊर्जा और लोकमंगल की त्रिवेणी भगवान राम की जन्मभूमि अयोध्या आज सामाजिक उत्थान के एक नए और प्रेरक अध्याय की साक्षी बन रही है। राजभवन ने एक बयान में कहा कि पटेल ने यज्ञ में आहुति देकर अयोध्या जिले में श्री गणपति सच्चिदानंद आश्रम की 104वीं शाखा की विधिवत शुरुआत की और मंच पर विराजमान राम दरबार की प्रतिमाओं का पूजन–अर्चन किया। राज्यपाल ने इस अवसर पर कहा कि पूज्य स्वामी श्री गणपति सच्चिदानंद स्वामीजी द्वारा स्थापित यह आध्यात्मिक एवं सामाजिक केंद्र भगवान दत्तात्रेय के दिव्य सिद्धांतों पर आधारित है और आध्यात्मिक साधना के साथ–साथ मानव सेवा, करुणा, संवेदना और सामाजिक उत्तरदायित्व का एक सशक्त केंद्र है। उन्होंने कहा कि अयोध्या की पावन भूमि पर इस इकाई की स्थापना न केवल ऐतिहासिक और प्रेरणादायी है, बल्कि भारतीय सनातन परंपरा, 'वसुधैव कुटुंबकम' की भावना और सांस्कृतिक विरासत को सुदृढ़ करने का भी एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

राज्यपाल ने कहा कि राजभवन की पहल से अयोध्या में लोक कल्याण से जुड़े अनेक दूरगामी, परिवर्तनकारी और प्रभावशाली कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हुए हैं जिनका सीधा लाभ समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि मातृशक्ति और बालशक्ति के सशक्तीकरण को केंद्र में रखते हुए राजभवन की पहल से अयोध्या में अब तक लगभग 2400 आंगनबाड़ी किट का वितरण किया जा चुका है।

राज्यपाल ने कहा कि अयोध्या धाम क्षेत्र में पूर्व में एक भी आंगनबाड़ी केंद्र नहीं था, लेकिन इस सामाजिक रिक्तता को अवसर में परिवर्तित करते हुए उनकी पहल पर अयोध्या धाम में 70 नवसृजित आंगनबाड़ी केंद्रों की स्थापना की गई। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में किए गए नवाचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्राथमिक विद्यालय के बच्चों तथा भिक्षावृत्ति से शिक्षा की ओर उन्मुख बच्चों को अयोध्या का शैक्षिक एवं सांस्कृतिक भ्रमण कराया गया।

श्याम महोत्सव

कानपुर में शुक्रवार को 'श्याम महोत्सव' प्रोग्राम के लिए जुलूस के दौरान लोग धार्मिक झंडे लेकर चलते हुए।

महाकुंभ, वंदे मातरम के 150 वर्ष और 2025 में दीपावली को मिला यूनेस्को का दर्जा

नई दिल्ली/भाषा। जनवरी–फरवरी में आयोजित महाकुंभ से लेकर नवंबर में 'वंदे मातरम्' की रचना के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में सालभर आयोजित होने वाले समारोहों की शुरुआत तक, साल 2025 में संस्कृति मंत्रालय बेहद व्यस्त रहा।

साल जाते जाते दीपावली को रोशनी के पर्व के रूप में यूनेस्को की मान्यता मिली।

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ के दौरान 'कलाग्राम' के माध्यम से भारत की सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित किया गया। 10.24 एकड़ के विशाल क्षेत्र में फैला 'कलाग्राम' एक संवेदनात्मक यात्रा बताता था, जिसमें भारत की सांस्कृतिक विरासत के मूर्त और अमूर्त दोनों पहलुओं को एक साथ प्रस्तुत किया गया।

अवसर को खास बनाने के लिए महाकुंभ का लोगो विभिन्न केंद्रीय संरक्षित स्मारकों पर दिखाया गया। संस्कृति मंत्रालय ने नवंबर में राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' की रचना के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में सालभर चलने वाले समारोहों की शुरुआत की। इसी दौरान भोपाल में अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती का भव्य आयोजन किया गया और देशभर में सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती मनाई गई। इस वर्ष जुलाई में दिल्ली में जनसंघ के विचारक श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती भी मनाई गई।

वर्ष 2025 के दूसरे हिस्से में भारत को यूनेस्को से दो महत्वपूर्ण मान्यताएं मिलीं। पहली, 'भारत के मराठा सैन्य परिदृश्य' को जुलाई में पेरिस में आयोजित विश्व धरोहर समिति के 47वें सत्र के दौरान विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया। 'भारत के मराठा सैन्य परिदृश्य' के 12 घटक महाराष्ट्र का साल्हेर किला, शिवनेरी किला, लोहगढ़ किला, खंडेरी किला, रायगढ़, राजगढ़, प्रतापगढ़, सुवर्णदुर्ग, पन्हाला किला, विजयदुर्ग और सिंधुदुर्ग; तथा तमिलनाडु का जिंजी किला हैं। दूसरी मान्यता 10 दिसंबर को दीपावली को मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की यूनेस्को प्रतिनिधि सूची में शामिल किए जाने के रूप में मिली।

यह भारत से इस सूची में शामिल होने वाला 16वां पर्व है। अन्य 15 पर्वों में कुंभ मेला, कोलकाता की दुर्गा पूजा, गुजरात का गरबा नृत्य, योग, वैदिक मंत्रोच्चार की परंपरा और रामलीला शामिल हैं। केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि इस अंकन के साथ यूनेस्को नवीकरण, शांति और अच्छाई की विजय की शाश्वत मानवीय आकांक्षा का सम्मान करता है। उन्होंने कहा कि कुम्हारों से लेकर कारीगरों तक, लाखों हाथ इस विरासत को जीवित रखते हैं। उन्होंने कहा कि यह यूनेस्को टैग एक जिम्मेदारी भी है और हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि दीपावली जीवंत विरासत बनी रहे।

दिसंबर में, अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए अंतर–सरकारी समिति का 20वां सत्र दिल्ली के लाल किले में आयोजित किया गया। यह पहली बार था जब भारत ने इस महत्वपूर्ण सत्र की मेजबानी की। लाल किला यूनेस्को का एक विश्व धरोहर स्थल है। यह बैठक 10 नवंबर को लाल किले में हुए विस्फोट के लगभग एक महीने बाद हुई।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**